गतिमान

बाइसवाँ दीक्षान्त समारोह

2018

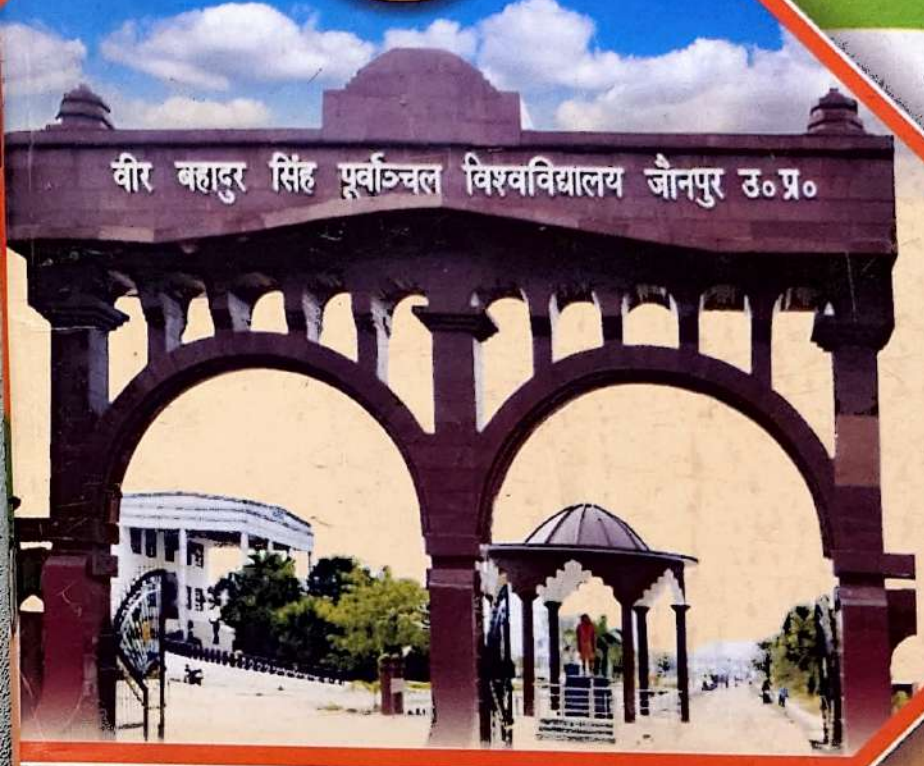

22 वाँ दीक्षान्त समारोह

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश

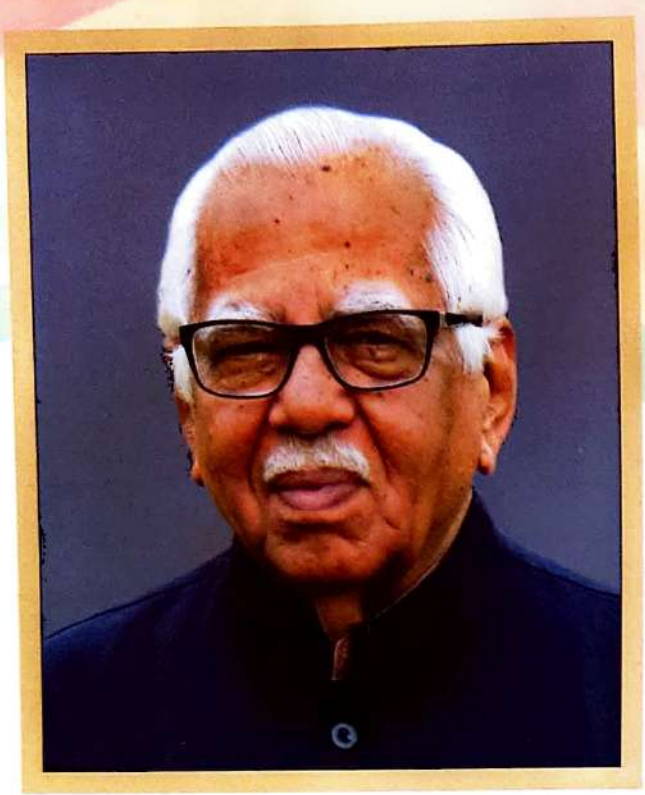

माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश

श्री राम नाईक जी

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ.प्र.)

गतिमान 2018

05 नवम्बर, 2018

प्रो. डॉ. राजाराम यादव
कुलपति

श्री एम.के.सिंह
वित्त अधिकारी

श्री सुजीत कुमार जायसवाल
कुलसचिव

डॉ. सन्तोष कुमार
कुलानुशासक

प्रो. अजय द्विवेदी
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

प्रो. बी.बी. तिवारी
समन्वयक, टेकिप–III

प्रो. रंजना प्रकाश
निदेशक, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल

डॉ. राज कुमार
चीफ वार्डेन

संपादक मण्डल
डॉ. मनोज मिश्र
डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर
डॉ. के.एस.तोमर
डॉ. पुनीत धवन

जौनपुर : एक समृद्ध विरासत

विभिन्न संस्कृतियों की बाँकी झाँकी का साक्षी रहा जनपद जौनपुर अपनी ऐतिहासिकता को बहुत अतीत तक समेटे हुए है। सदानीरा गोमती के तट पर बसा यह शहर एक परम्परा के अनुसार महर्षि यमदग्नि की तपोस्थली रहा है जिस कारण इसका प्रारंभिक नाम यमदग्निपुर पड़ा तथा कालान्तर में यमदग्निपुर ही जौनपुर के रूप में परिवर्तित हो गया। कतिपय विद्वानों ने इस धारणा पर भी बल दिया है कि यहाँ प्राचीन भारत में यवनों का आधिपत्य रहा है जिस कारण इसका नाम प्रारम्भिक दौर में यवनपुर से कालान्तर में जौनपुर हो गया।

मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोतों ने जौनपुर की स्थापना का श्रेय फिरोजशाह तुगलक को दिया है, जिसने अपने भाई मुहम्मद बिन तुगलक (जूना खां) की स्मृति में इस नगर को बसाया और इसका नामकरण भी उसके नाम पर किया। फिरोजशाह तुगलक ने जौनपुर की स्थापना 1359 ई. में की तथा 1360 ई. में जौनपुर किले की नींव रखी। जौनपुर सल्तनत वर्ष 1394–1479 ई. तक उत्तर भारत की एक स्वतंत्र राजधानी रही जिसका शासन शर्की सल्तनत द्वारा संचालित था। लेकिन एक खास बात यह है कि जौनपुर राज्य का संस्थापक मलिक सरदार (सरवर) फिरोज शाह तुगलक के पुत्र सुलतान मुहम्मद का दास था जो अपनी योग्यता से 1389 ई. में वजीर बना। सुलतान महमूद ने उसे मलिक–उस–शर्क की उपाधि से नवाजा था। 1399 ई. में उसकी मृत्यु हो गयी। उसके पद के कारण ही उसका वंश शर्की–वंश कहलाया। ज्ञातव्य है कि उसको कोई संतान नहीं थी, उसके बाद उसका गोद लिया हुआ पुत्र मुबारक शाह गद्दी पर बैठा था। 1402 ई. में मुबारक शाह की मृत्यु हो गयी। इसके बाद उसका भाई इब्राहीमशाह शर्की जौनपुर राज सिंहासन पर बैठा। इब्राहिमशाह के बाद उसका पुत्र महमूदशाह फिर हुसैन शाह तथा अन्ततः जौनपुर 1479 ई. के बाद दिल्ली सल्तनत का भाग बन गया।

जौनपुर में सरवर से लेकर शर्की बंधुओं ने 75 वर्षों तक स्वतंत्र राज किया। इब्राहीम शाह शर्की (1402 ई.–1440 ई.) के समय में जौनपुर सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत उपलब्धि हासिल कर चुका था। उसके दरबार में बहुत सारे विद्वान थे जिन पर उसकी राजकृपा रहती थी। उसके राज–काल में अनेक ग्रंथों की रचना की गयी। तत्कालीन समय में जौनपुर शिक्षा का बहुत बडा केंद्र था। यह भी कहा जाता है कि इब्राहिम शाह शर्की के समय में ईरान से 1000 के लगभग आलिम (विद्वान) आये थे जिन्होंने पूरे भारत में जौनपुर को शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र बना दिया था। इसी कारण जौनपुर को 'शीराज–ए–हिंद' कहा गया। शीराज का तात्पर्य श्रेष्ठता से होता है। उसी समय जौनपुर में स्थापत्य–कला की एक नई शैली का जन्म हुआ, जिसे जौनपुर अथवा शर्की शैली कहा गया। स्थापत्य–कला की इस शैली का निदर्शन यहाँ पर आज भी अटाला मस्जिद में किया जा सकता है। अटाला मस्जिद की आधारशिला फिरोजशाह तुगलक द्वारा 1376ई. में की गयी जिसे 1408 ई. में इब्राहिम शाह ने पूरा किया। जौनपुर में गोमती नदी के शाही पुल का निर्माण कार्य मुगल बादशाह अकबर ने 1564 ई. में प्रारंभ करवाया जो 1569 ई. में बनकर तैयार हुआ। यह शाही पुल अकबर के सूबेदार मुनीम खाँ के निरीक्षण में बना। शर्की सुल्तानों ने जौनपुर में कई सुन्दर भवन, एक किला, मकबरा तथा मस्जिदें बनवाईं। जौनपुर की जामा मस्जिद को इब्राहिम शाह ने 1438 ई. में बनवाना प्रारंभ किया था और इसे 1442 ई. में इसकी बेगम राजीबीबी ने पूरा करवाया। 1417 ई. में चार अंगुल मस्जिद को सुल्तान इब्राहिम के अमीर खालिस खाँ ने बनवाया। जौनपुर की सभी मस्जिदों का वास्तु प्रायः एक जैसा है। शेरशाह सूरी की सारी शिक्षा–दीक्षा जौनपुर में हुई। हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत और 'खयाल' के विकास में हुसैन शाह (1458–1479 ई.) का अपना योगदान रहा। इस दौरान कई रागों की रचना की गयी जिसमें प्रमुख हैं 'मल्हार–स्याम', 'गौर–स्याम', 'भोपाल–स्याम', 'जौनपुरी बसन्त', 'हुसेनी' या 'जौनपुरी असावरी' जिसे राग जौनपुरी कहा जाता है।

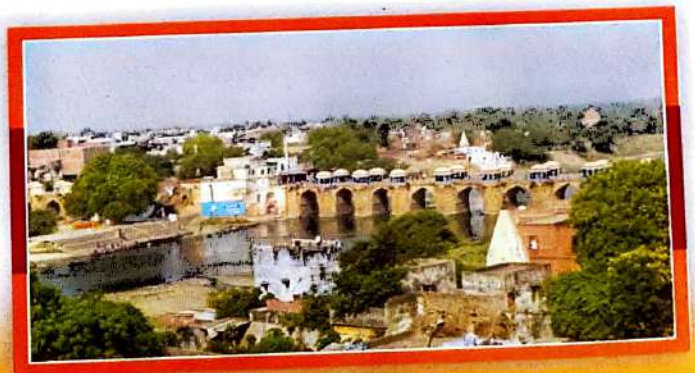

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनपद के अमर शहीदों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपना जीवन बलिदान कर दिया। आज भी जनपद के विभिन्न स्थानों पर स्थापित शहीद स्तम्भ उनके बलिदान की याद दिलाते हैं। इस जनपद के लोगों ने साहित्य, प्रशासनिक सेवा और विज्ञान अनुसन्धान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में जनपद का नाम रोशन किया है। इसकी निरन्तरता अद्यतन बनी हुई है।

डॉ० मनोज मिश्र

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय (पूर्व में पूर्वांचल विश्वविद्यालय) की स्थापना जौनपुर के लोगों के परिश्रम तथा प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. वीर बहादुर सिंह के प्रयास के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित गजट संख्या 5005/15–10–87–15 (15)–86 टी.सी. दिनांक 28 सितम्बर,1987 के तहत 02 अक्टूबर,1987 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के पावन पर्व पर की गई। कालान्तर में पूर्वांचल विश्वविद्यालय का नाम स्वर्गीय वीर बहादुर सिंह की स्मृति में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय रखा गया। इस विश्वविद्यालय के स्थापना के साथ ही गोरखपुर विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र का एक बड़ा भाग इसमें स्थानांतरित कर दिया गया। आरम्भ में इस विश्वविद्यालय में पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया, वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर, संत रविदासनगर भदोही, कौशाम्बी, इलाहाबाद तथा सोनभद्र सहित कुल 12 जिलों के 68 महाविद्यालयों को इससे सम्बद्ध किया गया था। विश्वविद्यालय को वर्ष 2016 में नैक द्वारा बी प्लस ग्रेड प्रदान किया गया है।

प्रारम्भ में विश्वविद्यालय का कार्यालय प्रथमतः टी.डी. कालेज जौनपुर के फार्म हाउस के भवन पीली कोठी में प्रारम्भ हुआ। उत्तर प्रदेश शासन ने विश्वविद्यालय हेतु भूमि अधिग्रहित करने के लिए कुल 85 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की तथा अधिकारियों सहित कुल 67 पद स्वीकृत किये। शासन द्वारा सृजित पदों पर नियुक्तियाँ हुई और यहीं से विश्वविद्यालय की विकास यात्रा प्रारम्भ हुई। जिला प्रशासन ने जौनपुर शहर से लगभग 12 किमी. दूर जौनपुर शाहगंज मार्ग पर देवकली, जासोपुर ग्राम सभाओं की कुल 171.5 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराई।

वर्ष 1994 में विश्वविद्यालय ने अपने नवनिर्मित निजी प्रशासनिक भवन में कार्य करना प्रारम्भ किया और इसी के साथ ही विश्वविद्यालय का आवासीय स्वरूप विकसित होना प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में परिसर स्थित विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र–छात्राओं के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रहने के लिए फ्लैट्स तथा ट्रांजिट हॉस्टल की भी व्यवस्था है। इसके अलावा छात्र सुविधा केन्द्र, संगोष्ठी भवन, अतिथि गृह, शिक्षक अतिथि गृह, राष्ट्रीय सेवा योजना भवन, रोवर्स रेंजर्स भवन हैं। इसके साथ ही विभिन्न संकायों के लिए अलग–अलग भवनों का निर्माण किया गया है जो अत्याधुनिक लैब, इण्टरनेट–वाई–फाई एवं सी.सी. टीवी. कैमरे से ससुज्जित हैं।

विद्यार्थियों को शहर से दूर परिसर में उच्च गुणवत्ता से युक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय संचालित है। इसमें परम्परागत पुस्तकालय सुविधा के अतिरिक्त इसका आधुनिकीकरण करके ई–लाइब्रेरी के तहत छात्रों को ई–जर्नल, ई–बुक की सुविधा उपलब्ध करायी गई है, इसके साथ ही एडुसैट व्यवस्था के अन्तर्गत छात्रों को इग्नू, यूजीसी, एआईसीटीई वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की गई है। परिसर के छात्रों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के योग्य बनाने हेतु आधुनिक खेल सुविधा से युक्त एकलव्य स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय का नाम अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर पहुँचाया है। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विभिन्न जनपदों में असहाय लोगों के लिए बापू बाजार का आयोजन किया जाता है। परिसर को हरा–भरा करने के लिए वर्ष 2014 से एक छात्र एक पेड़ योजना संचालित की जा रही है जिसमें छात्रों से पौधरोपण कराकर उसके देख–रेख की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी जाती है। इंजीनियरिंग संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली में आधुनिक संसाधनविहीन बच्चों को निःशुल्क कोचिंग पढ़ायी जाती है।

वर्तमान में पूर्वांचल के चार जनपदों के महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। विश्वविद्यालय परिसर में स्नातक स्तर पर इंजीनियरिंग की छः शाखाओं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा बी फार्मा की शिक्षा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर स्तर पर एम.सी.ए., एम.बी.ए., एम.बी.ए. (बी.ई.), एम.बी.ए. एग्रीबिजनेस,एम.बी.ए.ई–कामर्स, एम.बी.ए. (एफ.सी.), एम.बी.ए. (एच.आर.डी.), एम.ए. मास कम्यूनिकेशन, व्यावहारिक मनोविज्ञान, एम.एससी. बायोटेक्नॉलाजी, पर्यावरण विज्ञान, माइक्रो बायोलॉजी, विज्ञान अध्ययन बायोकेमेस्ट्री विषयों की शिक्षा प्रदान की जाती है। वर्तमान सत्र से विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय एवं शोध संस्थान में एम.एससी.फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं अर्थ एवं प्लेनेटरी साइंसेज विभाग के अंतर्गत एम.एससी.एप्लाइड जियोलाजी एवं इंटीग्रेटेट बी.ए.एल.एल.बी.(आनर्स) में भी सत्र 2018–19 से अध्ययन–अध्यापन प्रारम्भ है। यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर छात्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे है।

Faculties/ Courses

Faculty of Agriculture
Departments (U.G. & P.G.)

- Agriculture Botany
- Agriculture Chemistry
- Agriculture Zoology & Entomology
- Agriculture Economics
- Agriculture Extension
- Horticulture
- Plant Pathology
- Animal Husbandry and Dairy
- Soil Conservation
- Agriculture Engineering
- Agronomy
- Genetics and Plant Breeding

Faculty of Arts
Departments (U.G. & P.G.)

- Sanskrit and Prakrit language
- Hindi and Modern Indian Language
- Arbi, Farsi and Urdu
- English & Modern European Lang.
- Philosophy
- Psychology
- Education
- Economics
- Political Science
- Anthropology
- Ancient History, Archeology & Culture
- Medieval And Modern History
- Sociology
- Geography
- Fine Arts
- Library Science
- Music

Faculty of Commerce
Departments

- Department of Commerce (B.Com., M.Com.)

Faculty of Education
Departments

- B.Ed.
- M.Ed.

Faculty of Law
Departments

- Department of Law
  LL.B.
  LL.M.
  BA. LL.B. (Hons.)

Faculty of Sciences
Departments (U.G. & P.G.)

- Physics
- Chemistry
- Botany
- Zoology
- Mathematics
- Statistics
- Geology
- Defence Study
- Home Science
- Computer Science
- Bio-Chemistry
- Biotechnology
- Food and Nutrition
- Microbiology
- Industrial Fisher yand Fisheries
- Industrial Chemistry
- Silk and worm culture
- Phys. Edu., Health Education & Sport
- Environmental Science
- Applied Biochemistry
- Applied Microbiology
- Earth & Planetary Science (Applied Geology)

Faculty of Medicine
Departments (U.G.)

- Pharmacy
- Medicine

Faculty of Engineering & Technology
Departments (U.G.)

- Electronics and Communication Engineering
- Electrical Engineering
- Computer Science & Engineering
- Mechanical Engineering
- Information Technology
- Electronics & Instrumentation Engineering
- Master in Computer Applications
- Applied Physics
- Applied Chemistry
- Applied Mathematics
- Humanities & Social Sciences

Faculty of Management Studies
Departments

- Department of Business Administration
- Department of Human Resource Development
- Department of Finance & Control
- Department of Business Economics

Faculty of Applied Social Science
Departments

- Department of Applied Psychology
- Department of Mass Communication

The Vice-Chancellor

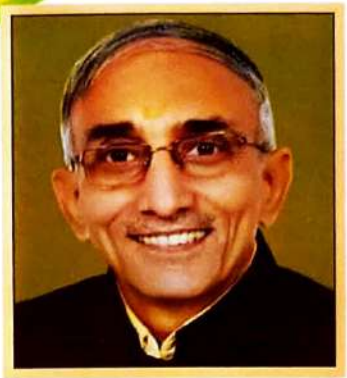

Prof. Dr. Raja Ram Yadav
Vice-Chancellor

Prof. Dr. Raja Ram Yadav, B.Sc., M.Sc. (Physics), Ph.D. on Ultrasonics from University of Allahabad has a teaching and research experience of over 36 years. He has been the Professor of Physics, Department of Physics (UGC Centre of Advanced Studies) University of Allahabad, Allahabad, U.P. He served the country as a Geophysicist (wells) in Oil and Natural Gas Commission (ONGC), India during 1983 to 1988. He served the society as a whole time social worker from 1988 to 1992. He has published more than 130 research papers in journals of International repute and supervised 16 students for their Ph.D. Degree. He has delivered more than 110 invited talks on the topics of Ultrasonics, Nanoscience and Technology, Ultrasonics in Nanosciene and Technology, Laser Spectroscopy, Ultrasonics- Non Destructive Characterization Sciences of Nanofluids, Nanocomposites, GMR Materials, Materials for Biomedical Applications and LPG/Humidity Sensing Applications. Dr. Yadav Completed several major research projects of costing around Rs. 5 crores funded by DST, DRDO, UGC etc. He organized several conferences and workshops. Dr. Yadav has successfully synthesized first time the nanofluditic GMR materials developing ultrasonic based chemical method. Dr. Yadav developed the ultrasonic mechanism to predict anomalous enhancement of the temperature dependent thermal conductivity of the nanofluids and theoretically modeled the experimental results, very important for coolant technology in micro-channels and medical applications. Dr. Yadav developed the ultrasonic spectroscopy method replacing the expensive TEM/SEM to determine the size of nanoparticles and their distributions in liquid suspension. Dr. Yadav is recipient of numerous distinctions/ awards including prestigious INSA- Teacher Award- 2012 by Indian National Science Academy, New Delhi, M. S. Narayanan Memorial Lecture Award- 2011, Dr. M. Pancholi Award, Dr. S. Parthsarthi Award- 2012, Best Research Paper Award on the work by Acoustical Society of America- 2004 and 2010 (India Chapter), Swadesi Vigyan Puruskaar- 2002, Pragay Gaurav Samman (2010) for outstanding contribution in the field of education, Distinguished Teacher Award (2016) by Gandhiyan Academy Sansthan Allahabad. He has been honoured by Vishwa Ayurved Parishad (2009) for delivering a popular lecture as a Chief Guest on Gold Nanoparticles in Ayurvedic Sciences. He has delivered the lecture as a Chief- Guest/Key Note Speaker in National Workshop on "Biological Effects of Mobile Radiations" at Jaipur National University, Rajasthan, India and National workshop on Material Characterization by Ultrasonics in New Delhi- 2012 etc. He is member of Governing Council of Vikram University, Ujjain, M.P. and Arayabhatta Research Institute of Observational Sciences (ARIES), Nainital, Uttrakhand. He is Secretary of Materials Research Society of India (MRSI) Allahabad Chapter and All India Vice-President of Ultrasoincs Society of India and Co-opted advisor of the National Academy of Sciences India (NASI), Allahabad Chapter. He is life member of MRSI, Microscopic Society of India, Polymer Society of India and Vigyan Bharti New Delhi. Dr. Yadav is life fellow of Ultrasonic Society of India, Acoustical Society of India, Institute of Applied Sciences and Indian Academy of Social Sciences. He is reviewer of several international research journals. He is expert member of UGC, DST, UPPSC Allahabad, PSC Uttarakhand, IIIT Allahabad etc. He has visited Canada, USA, Germany, Japan, Sweden, Italy, France, Spain, Singapore, Belgium, Nepal, Austria and China to deliver the research lectures. He is working very actively in social activities to the Nation Pride since last four decades and worked in the capacity of President- Gramin Vikash and Paryavaran Sansthan, Secretary of Sanskritik Gaurav Sansthan, Pradhan of Keshari Nandan Seva Sansthan and President of Swami Shantidev Seva Mandal. He has knowledge of Assammese, Sanskrit, Bengali, English along with his mother tongue Hindi. Apart from a renowned scientist, social worker and distinguished popular Professor he is a great Classical Singer and has performed Vocal- Classical Indian Music in so many public programmes in different places such as Dehradun, Nazira (Assam), Delhi, Jaunpur, Jhansi (U.P.), Hamirpur (U.P.), Allahabad, Chitrakoot (M.P.), Gurgaon (Haryana) etc.

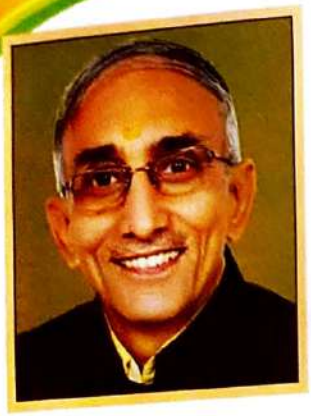

कुलपति जी का उद्‌बोधन

माननीय कुलाधिपति, 22वें दीक्षांत समारोह के अध्यक्ष, माननीय श्री राम नाईक जी, समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविख्यात वैज्ञानिक विज्ञान के क्षेत्र में सर्वोच्च "शान्ति स्वरूप भटनागर" पुरस्कार से विभूषित राष्ट्रीय भौतिकीय प्रयोगशाला के पूर्व निदेशक एवं वर्तमान में रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन, भारत सरकार के डॉ0 राजा रमन्ना विशिष्ट फैलो प्रो0 विक्रम कुमार जी, विख्यात वैज्ञानिक भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (इन्सा) के फैलो प्रो0 बालकृष्ण अग्रवाल जी, विख्यात कृषि वैज्ञानिक प्रो0 उदय प्रताप सिंह जी, श्री हेमन्त राव–अपर मुख्य सचिव राजभवन, श्रीमती अनीता भटनागर–अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा उ0प्र0 शासन, विशेष सचिव, श्रीमती मधुजोशी जी, कार्यपरिषद, विद्यापरिषद के सम्मानित सदस्य गण, समारोह में उपस्थित जन प्रतिनिधिगण, सम्मानित अतिथिगण, विश्वविद्यालय के समस्त आचार्य, शिक्षक, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, आदरणीय प्रशासनिक अधिकारीगण, इलेक्ट्रानिक, प्रिन्ट एवं सोशल मीडिया के प्रिय पत्रकार बन्धुओं, उपाधि प्राप्तकर्ता एवं स्वर्णपदक विजेता मेधावियों, प्राण प्रिय समस्त विद्यार्थियों तथा अभिभावकगण।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षान्त समारोह के शुभ अवसर पर मैं विश्वविद्यालय परिवार की ओर से आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से अपने राजनैतिक एवं सामाजिक जीवन में राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समस्याओं का अन्वेषणात्मक समाधान प्रस्तुत कर कीर्तिमान स्थापित करने वाले पिता तुल्य हमारे संरक्षक, हमारे मार्गदर्शक एवं प्रेरणाश्रोत श्रद्वेय माननीय श्री राम नाईक जी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। माननीय कुलाधिपति जी के प्रेरणादायी, मौलिक एवं विद्युत संचार की तरह व्यावहारिक निर्देशन ने प्रदेश के विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन की नई मिशाल स्थापित की है। आपने शिक्षा क्षेत्र में कार्य के दौरान समीक्षात्मक प्रणाली का सूत्रपात किया है। आपकी जनचेतना से जुड़ी हुई संवेदनशीलता एवं पूरे प्रदेश की उच्चशिक्षा को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय धारा में लाने तथा शिक्षा व्यवस्था को पूर्ण स्वायत्त बनाने की कटिबद्वता से शिक्षा जगत आश्वस्त हुआ है।

समारोह के मा0 मुख्य अतिथि विश्व के शीर्षस्थ वैज्ञानिकों में से हैं। विज्ञान के प्रति आपका जीवन पूर्णतया समर्पित है। रक्षा मंत्रालय की महत्वपूर्ण प्रयोगशालाओं में आपके नेतृत्व में असाधारण अनुसंधान हुये हैं।

"शान्ति स्वरूप भटनागर पुरूस्कार" से सम्मानित महान वैज्ञानिक एवं लोकप्रिय प्रोफेसर होते हुए आपका सरलचित्त विनम्र एवं अपने गुरू महान राष्ट्र सेवी, त्यागी तपस्वी प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) के आदर्शो के अनुरूप छात्रों के हित के लिये संघर्षशील अन्वेषक उदारमना व्यक्तित्व उच्च शिक्षा, विज्ञान जगत की युवा पीढ़ी के लिये सहज अनुकरणीय, मार्गदर्शक एवं प्रेरणाश्रोत है। आपने दीक्षांत समारोह में उद्‌बोधन के लिये हमारे निमंत्रण को स्वीकार किया, जिसके लिये विश्वविद्यालय परिवार हृदय से आपका आभारी है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विशिष्ट पुराछात्र पं0 महामना मदन मोहन मालवीय जी द्वारा सृजित, स्थापित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर उदय प्रताप सिंह जी ने अपने "नीम" पर अमेरिकन जर्नल में प्रकाशित शोध के बल पर अमेरिका द्वारा चालाकी से कराये गये 'नीम'–पेटेन्ट को अन्तर्राष्ट्रीय अदालत से मुक्त कराके भारत को कृषि विज्ञान के क्षेत्र में गौरव पूर्ण स्थान दिलाया है। आपने हमारे विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डी0एस–सी0 मानद उपाधि स्वीकारने हेतु हमारे आग्रह को स्वीकार किया और हमारे विनम्र आमंत्रण पर दीक्षान्त समारोह में पधार कर आपने कृपा की है। हम आपका तहे दिल से स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं। विश्वविद्यालय के इस 22वें दीक्षान्त समारोह के पावन अवसर पर मैं उन सभी विभूतियों विशेषकर पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 वीर बहादुर सिंह, पूर्व सांसद स्व0 अर्जुन सिंह यादव का स्मरण करते हुये अपने श्रद्वासुमन अर्पित करता हूँ जिनके सत्प्रयासों से अस्तित्व में आया पूर्वान्चल की जनता के लिये ज्ञान का यह प्रकाश स्तम्भ अपने उद्‌देश्यों की पूर्ति हेतु अग्रसर है। पूर्वान्चल की भूमि के जिस स्थल पर यह विश्व विद्या केन्द्र स्थापित हुआ है उस जौनपुर का ऐतिहासिक ही नहीं वरन एक प्राचीन पौराणिक महत्व भी है। पौराणिक, आख्यानों के अनुसार पूर्वान्चल का यह क्षेत्र ऋषि भृगु, महर्षि जमदग्नि, महर्षि दुर्वासा एवं महर्षि देवल की तपस्थली रही है।

आज मैं, सभी उपाधि तथा स्वर्णपदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ जिन्होंने अपने अनवरत परिश्रम के बल पर ज्ञान अर्जन कर जीवन का एक अहम पड़ाव पार किया है। प्रिय विद्यार्थियों आज आपने स्नातक, परास्नातक एवं पी–एच0डी0 की उपाधि को अर्जित कर अपने गुरूजनों, अभिभावकों एवं विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाया है। उमंग एवं उत्साह के साथ विजय का विश्वास लेकर उठो, साहसी बनो, वीर्यवान होओ। दुनियाँ का नेतृत्व करने के लिए राष्ट्र के उन्नयन हेतु भविष्य में सब उत्तरदायित्व अपने कन्धों पर लो। हमारा प्रयास है कि आप पारिवारिक, सामाजिक, ग्रामीण, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय चुनौतियों का सफलतापूर्वक मुकाबला कर भारतीय संस्कृति के मूलतत्व "वसुधैव कुटुम्बकम्" माताभूमिः पुत्रोऽहम् प्रथिव्याः, "सर्वं खल्विदं

ब्रह्म'', ''स्वदेशो भुवनत्रयम्'' के आदर्शो को चारितार्थ करते हुए दुनिया का नेतृत्व करें। जैसे सत्य को कहने के लिये किसी शपथ की जरूरत नहीं होती। नदियों को बहने के लिए किसी पथ की जरूरत नहीं होती। बढ़ते है अपने जमाने में, अपने मजबूत इरादों पर, उन्हें अपनी मंजिल पाने के लिये, किसी रथ की जरूरत नहीं होती। स्वयमेव मृगेन्द्रता सिद्धान्त पर केन्द्रित होकर, 'सर्वभूतहितेरताः' का उद्देश्य लेकर अपने हौसले बुलन्द रखें, परिश्रम में कमी न आने दें। मंजिल तुम्हारे चरण चूम लेगी।

बौद्धिक विकास ज्ञान विज्ञान की यह प्रयोगशाला, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय मा0 कुलाधिपति जी के आशीर्वाद से निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

- विश्वविद्यालय परिसर में प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भईया) इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिकल सांइस फार स्टडीज एवं रिसर्च, रिसर्च सेन्टर फार रिन्यूएबल एनर्जी एण्ड नैनो साईंस एण्ड टेक्नोलॉजी की स्थापना की गयी है। इसके अंतर्गत फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं अर्थ एण्ड प्लेनेटरी साईंस विषयों में पाठ्यक्रम इसी सत्र से एम0एस–सी0 संचालित किये जा रहे हैं। इसके लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आचार्य, उपाचार्य एवं सह आचार्य के 32 तथा तकनीकी कर्मचारियों के 11 पद सृजित कर दिये गये हैं।
- विश्वविद्यालय परिसर में बी0ए0एल0एल0बी0(आनर्स) पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम (इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम) वर्तमान सत्र 2018–19 से संचालित हो रहा है।
- इस विश्वविद्यालय के फार्मेसी विज्ञान की शिक्षिका डॉ0 झांसी मिश्रा को 16 एवं 17 अप्रैल, 2018 को नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में 40 देशों के लगभग 1000 वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्कृष्ट रिसर्च व्याख्यान के लिये नीदरलैंड द्वारा यंग साईंटिस्ट अवार्ड दिया गया।
- 18 मई, 2018 को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में स्वदेशी कान्ति के अग्रदूत, योग ऋषि एवं उद्योग ऋषि परमपूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज के अभिनन्दन एवं आर्शीवचन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पूज्य स्वामी रामदेव जी ने लोगों में राष्ट्र भक्ति, योग प्रेम, स्वदेशी उद्योग प्रेम और नैतिकता का संचार किया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आस्था चैनल के द्वारा किया गया जिससे विश्वविद्यालय की उपलब्धियां भी कई देशों तक पहुँच गयी।
- स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर 12 जनवरी, 2018 को विश्वविद्यालय में ''राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह'' का आयोजन किया गया जिसमें 40,000 छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस समारोह में मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश पूज्य महन्त श्री योगी आदित्य नाथ जी ने युवाओं को पलायन करने के बजाए चुनौतियों को स्वीकार करने की प्रेरणा दी।
- विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह के अवसर पर दिनांक– 03–09 अक्टूबर, 2018 तक सात दिवसीय श्री राम कथा अमृतवर्षा एवं सांस्कृतिक कार्यकमों का आयोजन किया गया। प्रख्यात कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज जी द्वारा श्री रामकथा के परिणाम स्वरूप पूरे क्षेत्र का वातावरण विश्वविद्यालय के अनुकूल बन चुका है।
- स्थापना सप्ताह के दौरान छात्रों के अन्दर कला प्रतिभा जगाने हेतु भारतीय शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें शास्त्रीय गायक प्रो0 राम शंकर, श्री सत्य प्रकाश मिश्र, प्रो0 राजाराम यादव ने ख्याल, ठुमरी, तराना ध्रुपद की ऐतिहासिक प्रस्तुति दी। पं0 अवधेश महाराज ने अभूतपूर्व मृदंग वादन एवं श्री विशालकृष्ण ने अप्रतिम कथक नृत्य प्रस्तुत किया। श्री रवि सिंह का भावपूर्ण कथक सराहनीय रहा।
- शोध कार्यक्रमों को प्रभावी बनाये जाने की दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा शोध प्रवेश परीक्षा का आयोजन कर, महाविद्यालय स्तर पर डी0आर0सी0 एवं विश्वविद्यालय स्तर पर आर0डी0सी0 के माध्यम से 1500 शोधार्थियों के प्रवेश किये जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा शोधार्थियों को Post doctoral fellowship प्रदान करने का निर्णय भी ले लिया गया है। यह देश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां Post doctoral fellowship प्रदान की जा रही है।
- विश्वविद्यालय की उच्च स्तरीय शैक्षणिक उपलब्धियों तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों को देखते हुए चीन के ख्यातिलब्ध नानजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित किये जाने पर मैंने दिनांक– 8–15 जून, 2018, चीन की यात्रा की किया तथा नानजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अल्ट्रासोनिक्स इन नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी एवं अल्ट्रसोनिक्स फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी विषय पर विशेष व्याख्यान दिये तथा वैज्ञानिकों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ अल्ट्रासॉनिक्स और नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न आयामों पर मंथन किया। यह यात्रा विश्वविद्यालय के लिए लाभकारी रही। विश्वविद्यालय का नानजिंग विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ शीघ्र ही आईएमओयू (इंटनेशनल मेमोरंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) हस्ताक्षरित होगा जिससे वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में वैश्विक छवि बनेगी तथा दोनों विश्वविद्यालयों के छात्र एक दूसरे के विश्वविद्यालयों में शैक्षिक गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु इस विश्वविद्यालय में केन्द्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल का

गठन किया गया है। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार सत्र 2017–18 में प्लेसमेंट सेल द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न 27 कम्पनियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के 735 विद्यार्थियों का चयन कर रोजगार प्रदान किया गया। इस दृष्टि से यह प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय है।

- कैम्पस सेलेक्शन के परिणाम स्वरूप विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभागों में पहली बार रिकार्ड तोड संख्या में छात्रों ने प्रवेश लिया है। वर्तमान सत्र में भी 80 विद्यार्थियों का कैम्पस चयन हो चुका है।
- विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को आई0ए0एस0 एवं पी0सी0एस0 परीक्षा की तैयारियों के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में कुल 600 ईकाईयाँ संचालित हो रही है। 12 जनवरी को विवेकानन्द जयन्ती के शुभ अवसर पर "युवा दिवस समारोह" राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा ही आयोजित किया जाता है। इस वर्ष डेढ़ लाख छात्रों के प्रतिभाग से यह कार्यक्रम सम्पन्न होगा। पर्यावरण संरक्षण हेतु डॉ0 राकेश यादव, मुख्य कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा 12000 वृक्षों का रोपण किया गया।
- क्रीड़ा के क्षेत्र में वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय ने पूर्वी अंचल, अन्तर– विश्वविद्यालीय तथा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में अपेक्षित गौरव पूर्ण स्थान प्राप्त किया है। पूर्व वर्ष 2017–18 में भी अखिल भारतीय विश्वविद्यालीय स्तर पर हमारे विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में 29 पदक हासिल किये थे। इस वर्ष पदकों की संख्या बढ़कर 41 हो गयी है। इन खिलाडियों को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर दिनांक 29 अगस्त, 2018 को राजभवन में माननीय कुलाधिपति द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

प्रयत्नों के सफलीभूत परिणाम, हमारे पितातुल्य मार्गदर्शक मा. श्री राज्यपाल श्री राम नाईक जी के आशीर्वाद एवं पग–पग पर आपके संरक्षण से ही संभव हो पाये हैं। आपके प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं संरक्षण में हम अपने लक्ष्य प्राप्ति की ओर प्रयासरत हैं। हमारा विश्वविद्यालय अपने निर्धारित उद्देश्यों को निरन्तर प्राप्त कर सकेगा जिसके परिणाम स्वरूप हमारे छात्र देश ही नहीं विभिन्न क्षेत्रों में सम्पूर्ण दुनियाँ को नेतृत्व प्रदान करेंगे इसका हमें पूर्ण विश्वास हो रहा है। हमारा प्रयास है कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विशविद्यालय प्रदेश ही नहीं, देश के समस्त विश्वविद्यालयों की पंक्ति में सच्चे अर्थो में प्रमुख स्थान प्राप्त करे। "न त्वहं कामये राज्यं, न स्वर्गं ना पुनर्भवम्, कामये दुःख तत्पानां प्रणिना मर्तिनाशनम्" को सार्थक करने वाले हमारे छात्रों के महत्वपूर्ण अनुसन्धान ही विश्वविद्यालय को शीर्ष पटल पर रख देंगे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की संक्रातिमय उपलब्धियॉ समर्पित शिक्षक, प्राचार्य, प्रबन्धक, कर्मठ अधिकारी एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम पूर्ण प्रयत्नों एवं हमारे कार्यक्षेत्र के जनसमाज, विश्वविद्यालय के विभिन्न समाज सेवी मित्रों, संस्थाओं तथा उ0प्र0 शासन एवं प्रशासन के सहयोग से ही अर्जित हुई हैं।

मैं सभी स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को पुनः हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ वे अपने–अपने उत्कृष्ट योगदान से विश्वविद्यालय एवं देश का नाम आलोकित करेंगे। मैं इस महन्त अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में उपस्थित सभी अभिभावकों, डिग्री धारकों, स्वर्ण पदक विजेताओं एवं आमंत्रित स्वनामधन्य समस्त सुधी जनों का 22वें दीक्षान्त समारोह के पावन दिवस पर पुनः हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ।

जय हिन्द जय भारत

माननीय श्री राम नाईक जी

कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

परिचय

माननीय श्री राम नाईक जी का जन्म 16 अप्रैल 1934 को महाराष्ट्र के सांगली जनपद के आटपाड़ी गांव में एक मध्यमवर्गीय देशाष्ठ परिवार में हुआ। विद्यालयीय शिक्षा गांव में ही हुई। पुणे में बृहन् महाराष्ट्र वाणिज्य महाविद्यालय से 1954 में बी.काम. तथा मुंबई में किशनचंद चेलाराम महाविद्यालय से 1958 में एल.एल.बी. की स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त की। श्री नाईक ने अपना व्यावसायिक जीवन 'अकाउंटैंट जनरल' के कार्यालय में अपर श्रेणी लिपिक के रूप में शुरु किया। बाद में आपकी उच्च पदों पर उन्नति हुई और 1969 तक निजी क्षेत्र में कंपनी सचिव तथा प्रबंध सलाहकार के रूप में आपने कार्य किया।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने 14 जुलाई 2014 को श्री राम नाईक जी को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के तौर पर मनोनीत किया। आपने 22 जुलाई 2014 को लखनऊ में पद ग्रहण किया।

आपको साऊथ इंडियन एजुकेशन सोसायटी, मुंबई की ओर से 'राष्ट्रीय श्रेष्ठता पुरस्कार' कांची कामकोटि पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य पूज्य जयेन्द्र सरस्वती स्वामीगल के हाथों मुंबई में दिनांक 13 दिसम्बर 2014 को प्रदान किया गया। इसके पूर्व इस पुरस्कार से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व राष्ट्रपति स्व. डॉ० शंकर दयाल शर्मा और पूर्व राष्ट्रपति डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम जैसे महानुभावों को अलंकृत किया गया है।

आप श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में गठित मंत्री परिषद में 13 अक्टूबर 1999 से 13 मई 2004 तक पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री रहे। इसके पूर्व 1998 की मंत्री परिषद में आपने रेल (स्वतंत्र प्रभार), गृह, योजना एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन और संसदीय कार्य मंत्रालयों में राज्यमंत्री (13 मार्च 1998 से 13 अक्टूबर 1999) के रुप में कामकाज संभाला था।

पेट्रोलियम मंत्री के रुप में आपने अक्टूबर 1999 में पदभार संभाला। कारगिल युद्ध में शहीद वीरों की पत्नियों, निकटस्थ रिश्तेदारों को तेल कंपनियों के माध्यम से पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी की डीलरशिप देने की विशेष योजना भी उनके द्वारा ही मंजूर की गई। संसद भवन पर हुए हमले में शहीद कर्मचारियों के परिवारजनों को भी पेट्रोल पंप आवंटित किए। पेट्रोल–डीजल के वाहनों से प्रदूषण कम हो इसलिए दिल्ली और मुंबई में सीएनजी गैस देना प्रारंभ किया।

आपने 1964 में 'गोरेगांव प्रवासी संघ' की स्थापना कर उपनगरीय यात्रियों की समस्याओं को सुलझाने का कार्य प्रारंभ किया। बाद में रेल राज्यमंत्री के नाते विश्व के व्यस्ततम मुंबई उपनगरीय रेल के 76 लाख यात्रियों को उन्नत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए 'मुंबई रेल विकास निगम' की स्थापना की।

संपूर्ण देश में रेल प्लेटफार्मों पर तथा यात्री गाड़ियों में सिगरेट तथा बीड़ी बेचने पर पाबंदी लगाने का ऐतिहासिक काम भी आप द्वारा किया गया। यात्रियों से सुझाव लेकर नई गाड़ियों का नामकरण करने की अनोखी लोकप्रिय पद्धति का प्रारंभ भी आपने ही किया। 11 जुलाई 2006 को लोकल गाड़ियों में हुए बम विस्फोट से पीड़ित परिवारों को सहायता पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए।

आपने महाराष्ट्र के उत्तर मुंबई लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से लगातार पांच बार जीतने का कीर्तिमान बनाया है, इसके पूर्व तीन बार आप महाराष्ट्र विधानसभा में बोरीवली से विधायक भी रहे हैं। राज्यपाल का दायित्व सम्भालने के बाद आपने पहले तीन महीनों का कार्यवृत्त 'राजभवन में राम नाईक' 20 अक्टूबर 2014 को प्रस्तुत किया।

आपने संसद में 'वंदे मातरम्' का गान प्रारंभ करवाया। आपके प्रयासों के फलस्वरुप ही अंग्रेजी में 'बॉम्बे ' और हिन्दी में 'बंबई' को उसके असली मराठी नाम 'मुंबई' में परिवर्तित करने में सफलता मिली। संसद सदस्यों को निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए सांसद निधि की संकल्पना आपकी ही है।

तारापुर अणु ऊर्जा प्रकल्प 3 व 4 के कारण विस्थापित हुए पोखरण व अक्करपट्टी ग्रामवासियों के पुनर्वास पर आपने 'गाथा संघर्षाची' मराठी तथा 'Saga of Struggle' अंग्रेजी किताबें भी लिखी हैं। 1987 में विख्यात समाजशास्त्री कै. शरद्चंद्र गोखले द्वारा स्थापित इंटरनेशनल लेप्रसी यूनियन, पुणे के आप अध्यक्ष भी रहे हैं।

श्री राम नाईक जी ने अपने जीवन के संस्मरण भी लिखे जो लोक प्रिय मराठी दैनिक 'सकाल' में प्रकाशित होते हे। बाद में यह पुस्तक रूप में 'चरैवेति! चरैवेती!!'' (चलते रहो, चलते रहो) दिनांक 25 अप्रैल, 2016 को प्रकाशित हुआ। तत्पश्चात इसका अंग्रेजी, हिन्दी, गुजराती और उर्दू भाषा में अनुवाद हुआ है। जनता के प्रति स्वयं की जवाबदेही मानकर अपने समाजिक जीवन की नींव रखी। विधायक, सांसद और मंत्री के नाते अपनी जवाबदेही निभाते हुए प्रतिवर्ष कार्यवृत्त देते रहे हैं। राज्यपाल पद स्वीकारने के बाद जब 3 महीने पूरे हुए तब राजभवन में राम नाईक पुस्तिका प्रकाशित हुई। उसी श्रृंखला में 1 वर्ष पूरे होने पर कार्यवृत्त प्रस्तुत किया गया। 22 जुलाई 2016 को तथा 3 वर्ष पूर्व होने पर राजभवन में राम नाईक 2016–17 तृतीय कार्यवृत्त जारी किया। श्री राम नाईक जी एक विशिष्ट छवि वाले व्यक्ति हैं जो प्रत्येक कार्य में सूक्ष्मता और पारदर्शिता एवं जागरूकता के लिए जाने जाते हैं। 84 वर्ष की आयु में आप कठोर परिश्रम एवं सहर्षता के साथ कार्य में व्यस्त रहते हैं।

आप वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलाधिपति के रूप में विश्वविद्यालय को गुणवत्तापरक शैक्षणिक एवं शोध के विकास के लिए अमूल्य योगदान देते रहे हैं। कुलाधिपति के रूप में आप हमारे लिए प्रेरणा एवं आशा के स्रोत हैं।

Prof. Vikram Kumar

F.N.A.S., F.N.A.E., F.I.E.T.E.

Dr. Raja Ramanna DRDO Distinguished Fellow-Solid State Physics Laboratory, Delhi

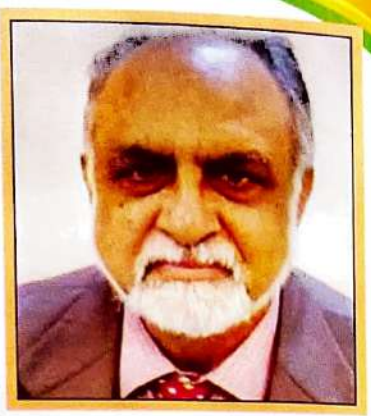

The Chief Guest

Prof. Vikram Kumar is presently Dr Raja Ramanna DRDO Distinguished Fellow at the Solid State Physics Laboratory, Delhi. He is also an Honorary Professor at the Centre for Applied Research in Electronics (CARE), IIT Delhi. He is a science graduate from Allahabad University, Allahabad and received his M.Sc. Degree in Physics from the same. He has also earned his M.S. Degree in 1971 and Ph.D Degree in 1976 from very prestigious Lehigh University, U.S.A. specializing in Electronics Engineering. His research interests include the understanding of electronic defects and interface states in silicon, III-V and II-VI semiconductors, photovoltaic devices, and nanotechnology. As the Director of the Solid State Physics Laboratory, he has contributed towards the development of technology of materials and devices some of which have reached production stage. His team developed the technology of 0.7 µm gate ion implanted MESFET and 0.5 µm pseudomorphic HEMT using MBE grown strained layer AlGaAs/InGaAs/GaAs structures. He led the team for setting up GaAs Enabling Technology Centre (GAETEC) foundry for pilot production of monolithic microwave integrated circuits (MMIC) that is supplying devices to various users including defence and space. His team has also developed the technology for growth of single crystals of CdZnTe and GaAs and supplied device quality wafers. He also contributed to the development HgCdTe based PV and PC infra-red detectors. Under his directorship, NPL underwent international peer review to fulfil the requirements of BIPM mutual recognition arrangement (MRA). At NPL he initiated programmes on silicon and organic solar cells. In particular, he worked on modelling carrier transport in organic materials. At IIT Delhi, he has coordinated the setting up of the Nano-scale Research Facility. His work on electronic defects in semiconductors was recognied with the prestigious **Shanti Swarup Bhatnagar Award** in 1992. He is recipient of many awards and honours which included MRSI Lecture Medal, Material Research Society of India (MRSI) 1992, Distinguished Service Award, Institute of Smart Structures and Systems (ISSS) 2007, Technomentor Award Indian Semiconductor Association (ISA) 2011, Distinguished Materials Scientist of the Year Award, Material Research Society of India (MRSI) 2012, Doctor of Science (Honorary) from Indian Institute of Engineering Science and Technology (IIEST), Shibpur WB (formerly known as Bengal Engineering and Science University BESU). He has been serving different professional societies as a fellow, member, vice-president and president. The list included but not limited to National Academy of Sciences (NAS), Indian National Academy of Engineering (INAE), Institution of Electronic and Telecom. Engrs. (IETE), Instrument Society of India (ISOI), Metrology Society of India (MSI), Material Research Society, USA (MRS), Material Research Society of India (MRSI), Indian Physics Association (IPA), Indian Society for Technical Education (ISTE), Asia Pacific Academy of Materials (APAM), Indian Society for Magnetic Fluid Research (ISMFR) , Instrument Society of India (ISOI), Institute of Smart Structures and Systems (ISSS), Society for Semiconductor Devices (SSD), Indian Society of Analytical Scientists (ISAS), Ultrasonic Society of India (USI). He has been the Vice-President of Society for Scientific Values (SSV) during 2003 – 11 and President of Semiconductor Society (India) (SSI) during 1999-2015, Metrology Society of India (MSI) from 2003-09, Instrument Society of India (ISOI) during 2006-08, Institute of Smart Structures and Systems (ISSS) during 2003-05, and also of Ultrasonic Society of India (USI).

He has been the Past Chairman of various institutions including MoDefence – CII Panel on Product Ionization of Materials and Components, PARC for MEMS Device Development; National Programme on Smart Materials Accreditation Committee for Calibration Laboratories, NABL, Sectional Committee MTD 33 for Nanotechnology, BIS, Asia Pacific Metrology Programme Developing Economies Cte, (2006-09), Facility Monitoring Committee, NPMASS, Working Group on Nanotechnology, Dept. of Electronics and Information Technology (DeitY) during 2006-2015. He is still acting as Chairman at different institutions including Chairman, Solar Energy Expert Group on Enabling R&D (SERI - SEER), DST, Chairman, PAC on Energy, Materials Science & Engineering for International Cooperation Programmes of the Dept Sceince and Technology (DST), Chairman, R&D Sectoral Project Appraisal Committee (RDSPAC) in Photovoltaic Technology, Min New & Renewable Energy (MNRE), Chairman, Laboratory Policy Committee, MNRE, and Chairman, PAC for Nanotechnology, IMPRINT 2, MHRD & SERB. Additionally, Prof. Vikram Kumar is member of numerous scientific committees, selection committees, assessment committees, review committees including Chairman or member of numerous monitoring committees for various projects of MNRE, DST, DEITY, DRDO etc. Chairman organizing committee for several International and National Conferences, Guest Editor for special issues of various journals on MEMS, Microwave devices, nano-magnetic materials, luminescent materials etc. Reviewer for several national and international journals, Referee for assessing faculty for several institutes such as IISc, IACS, IITs, Member for selecting vice chancellor for a few universities and Examiner for PhD theses from several universities, IITs, IISc, TIFR, JNCASR, BHU etc.

Prof. Kumar is a great researcher. He has published191 research papers in SCI Journals. He has also co-authored a book in addition to 04 edited book volumes titled Physics of Semiconductor Devices. He has also contributed many book chapters on area of his interest.He has contributed as chair or member of several committees of DST, MNRE, DEITY, DRDO, MHRD and other scientific agencies. His appointments include Faculty, IISc, Bangalore (1977-1992); Director, SSPL (DRDO) (1992-2003); Director, NPL (CSIR) (2003-2009) and Faculty, IIT Delhi (2009-2017).

Convocation Address

Chief Guest

Prof. Vikram Kumar

F.N.A.S., F.N.A.E., F.I.E.T.E.

Dr. Raja Ramanna DRDO Distinguished Fellow-Solid State Physics Laboratory, Delhi

Former Director, CSIR- National Physical Laboratory, New Delhi

Hon'ble Chancellor of Veer Bahadur Singh Purvanchal University and the Governor of Uttar Pradesh, Sri Ram Naik Ji, Vice Chancellor of the University Prof. Dr. Raja Ram Yadav Ji, Prof. U. P. Singh Ji, Members of the Executive and Academic Council, Faculty Members, Graduating Students, their proud parents, Guests, Ladies and Gentlemen.

I am very happy, indeed feel honoured to be here today at the convocation of Veer Bahadur Singh Purvanchal University. I will like to thank the Vice Chancellor Prof Yadav for suggesting and the Honourable Chancellor for agreeing to invite me to this very special occasion.

I would like to begin by congratulating the graduating students. This day marks the culmination of a journey for each one of you who worked hard and got your degrees. This is really a day of the students. All the hard work you did in last few years, leading to this moment of joy, not only for you, but also for your proud parents and all those who helped you to reach this goal, teachers, friends and well-wishers. So, first of all, warm congratulations to all the graduating students. And I would also like to add a special word of congratulations to those who have won medals. This is a great achievement indeed. Most importantly, I want to congratulate the parents. This must be a day of pride for all the parents present who are seeing their children get degrees. So, I again congratulate all the graduating students and their parents and families.

It is always heartening to be able to meet and interact with young people who are about to enter a new phase of life. The world awaits you. Our country is now at a turning point. You are lucky to be graduating at this time. The country is changing rapidly in the last two decades or so – that is since you were born. I assume that most of the graduating students are in their early twenties. That means you were born in the mid-nineties. I think about the time I was that age. That was in the mid sixties. The Indian economy was changing at a very slow pace of at about 3 percent. The population was growing at about 2.4 percent. So the per capita income was improving only about one percent. And that remained so for next two or three decades or so. Not much was changing in the way we lived. We waited for years to buy a scooter. The wait for a phone connection was may be ten years if you were lucky. The whole state had only a few engineering colleges. There were few job opportunities. The economic boom, the industrial growth and the technological advances being made in the West were just passing by the Indian society.

And then in mid nineties around the time you were born, things started changing. Today a GDP growth rate of 7 percent is considered low for our country. So what is the difference in the time when I was twenty five year old and today? The economic change has brought about a large structural change in the society. Tastes change, patterns of consumption change, kinds of product people want change. Signs of such changes can be seen everywhere. There is abundance of almost everything we want. Everyone has phones, there are plenty of cars, the gas, and soap and food everything is available. Shining four lane roads are connecting our big cities. I see fruit vendors even in poorest of neighbourhoods. To me, fruit consumption is one of the most significant indicators of economic prosperity. The way we travel has changed. The way we learn has changed. The way we buy things has changed.

Along with this, the tremendous pace at which technology is changing the world has also started touching our life here in India. The computer and communication revolution is all pervasive and it has not only entered India but we are actually contributing to it in a big way. Nanotechnology has become all pervasive. The health and quality of life are improving rapidly. Overall we are now in a knowledge dominated era where Universities like this one imparting wholesome education play a very important role. We need more scientific research as we face issues on a global scale that are fundamentally scientific — climate change, energy resources, food production, genetic modification, security from terrorism and so on. Science and technology can also play an important role in alleviating our conventional problems like health, poverty and hunger.

As you go out in the world, you have a lot of opportunities and career choices. In my time,

the government was the main job provider. The private sector has developed as a great employer with wide possibilities. And then there are possibilities of self employment, entrepreneurship and start ups. Our graduates are in demand throughout the world. We have made a big business out of the back office helping the world with our knowledge and skills. The manufacturing industry is also thriving with some of them supplying parts, components and products to the whole world. There is a wide range of careers from which to choose and do well in life.

Those of you who have done well in the examinations and obtained good grades have a bright future ahead. I congratulate you. But those who are not the front benchers in your classes should take heart and continue. Your future may be as bright. I have some examples from my own family. A nephew could not even complete 12th class but today he is a leading hair stylist in India. My son is a dyslexic and had difficulty with his reading and writing. He is doing very well in travel industry. Another boy I know who could not get into any engineering college and barely managed to clear a bachelors course in electronic science, started making some pc boards twenty years ago and today he deals in crores and talks about 'Internet of Things'.

As the convocation speaker, I cannot resist the temptation to give you some advice on the secrets of success. So what is the secret of success? As I see it, it is sincerity and hard work that matter most. Whatever you do, you must put your whole heart into it and do it earnestly and honestly. Diligence is more important than intelligence for success. It is necessary that you find your niche – the right groove where you fit. The work you do should be to your liking. Take up what you wish to do and do it honestly and sincerely.

Another important lesson in life for me is to be sympathetic to others. You must know how others feel. When you can develop true empathy, when you can sit in another person's seat, it's a recipe for success. For this you must learn to listen. Listen and understand the other person. This is true for all managers and team leaders. And all of us play the role of manager wherever we are, be it in family or a shop or a big company. So listening and living with true and real empathy, will take you very far.

We also need to be humble, but self-confident. Humility is great virtue, it encourages learning. Most people like people who are humble. Do we really want our best friend to be an arrogant person? You don't. Self-confidence is important. Self-confidence comes from your knowledge, from knowing your facts, from your work. Every time you need to combine humility with self-confidence. Your confidence should show in your actions and in your talk but without being a show off. It will do you good and keep you on the path of progress.

Our country has made significant progress in last two decades or so since most of you were born. However, there are some problems in our society which are not changing sufficiently and I will like to mention two. One is cleanliness. We are very much enamoured with our personal cleanliness and hygiene. We take bath first thing in the morning and clean the front of the house and make a rangoli. But then we throw garbage all over the place. Our public places are the dirtiest in the world. I know that it is the job of the municipality to clean public places but it is our responsibility to be good citizens and keep them clean. Cleanliness must be a habit. It must be practiced always and every time and everywhere if we want our neighbourhood, our town, our rivers to be clean and look good. Then we can also force the municipality to do its job. In our country, the municipalities have by and large failed us. Most of the problems faced by our cities like air pollution, water pollution, health, sewage, local transport etc are responsibilities of the local bodies which have largely failed because most of them have other interests. And that leads me to my second point that is corruption. The all pervasive corruption and black money are definitely eating our society like cancer. All progress is hampered; all the well meaning plans and projects are washed out due to corruption. I hope you the young people going out in the world today will not be cynical and say 'this is how it is' but be idealistic enough to withstand the forces of corruption and bring about real change in the society.

Finally, as you are bidding farewell to your university, I hope you will take the time to contribute back to society in some possible ways. I hope that in twenty years from now, you will say with pride that you were a student of VBSPU but also that the vice chancellor at that time will proudly take your name and say that she or he was a student of this university.

I wish you all a successful future. May you achieve your goals.

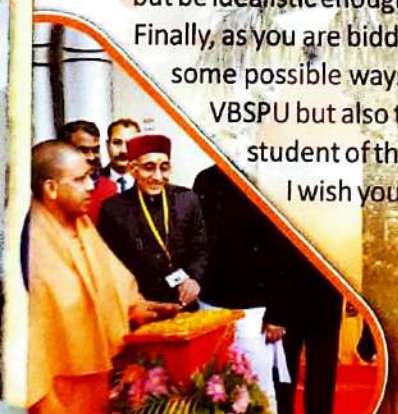

Professor U.P. Singh

EX-Director, Institute of Bio engineering and Biological Sciences, Varanasi

Awarded Honoris Causa, Doctor of Science (D.Sc)

Professor Udai Pratap Singh was engaged as Professor of Mycology and Plant Pathology in the Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University for a long time. He retired as Professor in 2004. He also worked as Director, Institute of Bioengineering and Biological Sciences at Varuna Bridge, Varanasi for a few years. He received several awards such as M.S.Pavgi Lecture award by the Indian Phytopathological Society in 1998, H. Mori award from International College of Nutrition in 2000 in Thailand, Vigyan Bharti Award in New Delhi on 15 Dec., 2001, Neem Ratna Award by Neem Kranti Mission on 7th April, 2002 in Varanasi, Vigyan Bharti Award of 2001 in New Delhi on 15 Dec., 2001 Dr. J. Nag Memorial Award from International College of Nutrition on 26th June, 2002 in London during 9th World Congress on Clinical Nutrition in June, 2002. Elected Fellow of National Academy of Sciences, Allahabad, India in 2002. Appointed consulting Editor of the contemporary WHO's WHO, USA in 2003. Elected Fellow of National Academy of Agricultural Sciences, New Delhi, 2004. Received Zhu Shoumin Award during 10th World Congress on Clinical Nutrition held in Nov.-Dec. 2004 in Phuket, Thailand. Received Life Time Achievement Award in National Seminar on the evaluation of nutraceuticals (Functional Foods) that prevent diseases and the Second Annual Conference of the Association of Allium workers in India in November 2006 in Kannur University, Thalassary Campus, Palayad, Kerela, India. Became nominated member of Marquis Whos .Who in 2008. Appointed Visitor's Nominee (President of India's Nominee) of Aligarh Muslim University in 2004 for a period of three years. Appointed Visitor's Nominee as well as Member of Planning Board by the President of India of Indira Gandhi Open University in 2008 for a period of three years. He chaired a session in International Conference on Mycology and Plant Pathology in April, 2012 in Department of Botany of Banaras Hindu University and received Life Time Achievement Award in the same conference. Prof. U.P.Singh played a crucial role in revoking Neem Patent taken by W.R.Grace and Company in association with United States Department of Agriculture, USA in May, 2000 in European Patent Office, Munich, Germany.

Madam Beatrice Korc of France visited Prof. U.P.Singh's laboratory on 13, 14 and 15 May, 2002 to make a documentary film on Neem Patent case. A few foreign scientists visited/worked in Prof. U.P.Singh's laboratory. Example, Dr. John McPartland of Michigan State University, USA visited Prof. Singh's laboratory for collaborating project in June, 1992. Dr. K. Vanky from University of Tubingen, Germany also visited in October, 1992. Prof. K. Kobayashi from University of Hokkaido, Sapporo, Japan work in Prof. Singh's laboratory for a period of one month in February, 1993. Prof. U. P. Singh visited/worked in several foreign countries during his active period of teaching/research. His latest research on water memory has ignited global interest for which he was invited to participate in water technology conference for three times held in Sweden. Prof. U. P. Singh has been a great scholar and has around 300 research papers to his credit in nationally and internationally acclaimed journals. He has published 04 books and also edited a book on Recent Advance in Allium Research. He also has seven patents to his credit for Herbal medicine for Psoriasis, Herbal Medicine for Candidacies, Herbal medicine for Eczema, Medicine for antiplatelet aggregation activity from a spice, Medicine for antiplatelet aggregation activity from a fruit, Antimicrobial activity from neem root, and Antimicrobial activity from chloroform extract of cow urine. **He has developed expertise on Organic Farming and biofungicides, expertise on environmentally sustainable agriculture and promotion of organic/biological control of plant diseases leading to safe environment, ecosystem and human health**

कार्य परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1	प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव, कुलपति	अध्यक्ष
2	प्रो0 बी0 डी0 शर्मा, संकायाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय	सदस्य
3	डॉ0 मनोज मिश्रा, संकायाध्यक्ष, अनु0 सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय	सदस्य
4	प्रो0 विलास ए0 तमाने, एमेरिटस प्रोफेसर, भौतिक विज्ञान, पुणे वि0वि0, महाराष्ट्र	सदस्य
5	प्रो0 रामनारायण, बायोटेक्नालॉजी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर	सदस्य
6	प्रो0 राणा कृष्ण पाल सिंह, रसायन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
7	प्रो0 शैलेन्द्र कुमार गुप्त, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
8	प्रो0 बी0 बी0 तिवारी, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर	सदस्य
9	डॉ0 प्रदीप कुमार, बायोटेक्नालॉजी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर	सदस्य
10	डॉ0 नूपुर तिवारी, कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर	सदस्य
11	डॉ0 आर0 आर0 यादव, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, अम्बारी, आजमगढ़	सदस्य
12	डॉ0 मृणालिनी सिंह, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, सैदपुर, गाजीपुर	सदस्य
13	डॉ0 सुरेश सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, मर्यादा पुरूषोत्तम महाविद्यालय, भुड़सुरी, रतनुपरा, मऊ	सदस्य
14	डॉ0 शिव शंकर सिंह, भूगोल विभाग, डी0सी0एस0के0 महाविद्यालय, मऊ	सदस्य
15	श्री सुजीत कुमार जायसवाल, कुलसचिव, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर	सचिव
16	श्री एम0 के0 सिंह, वित्त अधिकारी, वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर	विशेष आमंत्रित

विद्या परिषद के सम्मानित सदस्यगण

1. प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव, कुलपति — अध्यक्ष
2. डॉ0 वशिष्ठ यति, संकायाध्यक्ष, कृषि संकाय, पी0जी0 कालेज, गाजीपुर । — सदस्य
3. डॉ0 बद्रीनाथ, संकायाध्यक्ष, कला संकाय, डी0ए0वी0पी0जी0 कालेज, आजमगढ़ । — सदस्य
4. डॉ0 एम0एस0 अन्सारी, संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय, शिब्ली नेशनल कालेज, आजमगढ़ । — सदस्य
5. डॉ0 रेखा शुक्ला, संकायाध्यक्ष, शिक्षासंकाय, हंडिया पी0जी0 कालेज, हंडिया, इलाहाबाद । — सदस्य
6. श्री सूर्य प्रकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, विधि संकाय, टी0 डी0 पी0 जी0 कालेज, जौनपुर । — सदस्य
7. प्रो0 वन्दना राय, बायोटेक्नालॉजी विभाग, संकायाध्यक्ष विज्ञान, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुर। — सदस्य
8. डॉ0 मनोज कुमार मिश्रा, संकायाध्यक्ष, अनुप्रयुक्त समाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। — सदस्य
9. प्रो0 ए0 के0 श्रीवास्तव, संकायाध्यक्ष इंजीनियरिंग और टेक्नालाजी संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर । — सदस्य
10. डॉ0 वी0 डी0 शर्मा, संकायाध्यक्ष, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। — सदस्य
11. डॉ0 प्रमोद कुमार यादव, निदेशक, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) इन्स्टीट्यूट आफ फिजिकल साइंस आफ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। — सदस्य
12. डॉ0 अविनाश पाथर्डीकर, एच.आर.डी. विभाग वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। — सदस्य
13. डॉ0 संदीप कुमार सिंह, यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। — सदस्य
14. डॉ0 सन्तोष कुमार, इंजीनियरिंग विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर। — सदस्य
15. डॉ0 राजकुमार, गणित विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर। — सदस्य
16. डॉ0 कृष्ण देव चौबे, हिन्दी विभाग, कुटीर पी0जी0 कालेज, चक्के, जौनपुर। — सदस्य
17. डॉ0 विष्णु चन्द्र त्रिपाठी, राजनीति शास्त्र विभाग, आर0 एस0 के0 डी0 कालेज, जौनपुर। — सदस्य
18. डॉ0 दुर्गा प्रसाद अस्थाना, भूगोल विभाग, डी0 ए0 वी0 पी0 जी0 कालेज, आजमगढ। — सदस्य
19. डॉ0 रणविजय सिंह, संस्कृत विभाग, हंडिया पी0 जी0 कालेज, हंडिया, इलाहाबाद। — सदस्य
20. डॉ0 अशोक कुमार सिंह, समाजशास्त्र विभाग, गॉधी शताब्दी स्मारक महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ़। — सदस्य
21. डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह, प्रा0 इतिहास विभाग, बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर, जौनपुर। — सदस्य
22. श्री रमेश चन्द्र दूबे, मनोविज्ञान विभाग, कुटीर पी0 जी0 कालेज, चक्के, जौनपुर । — सदस्य
23. डॉ0 शबाबुद्दीन, उर्दू, विभाग, शिब्ली नेशनल पी0 जी0 कालेज, आजमगढ़ । — सदस्य
24. श्री बालेश्वर सिंह, इतिहास विभाग, पी0जी0 कालेज गाजीपुर। — सदस्य
25. श्री गायत्री प्रसाद सिंह, शिक्षा शास्त्र विभाग, बयालसी डिग्री कालेज, जलालपुर, जौनपुर। — सदस्य
26. डॉ0 अनिल कुमार सिंह, अंग्रेजी विभाग, हंडिया पी0 जी0 कालेज, हंडिया, इलाहाबाद। — सदस्य
27. श्री जय प्रकाश मिश्र, दर्शन शास्त्र विभाग, गॉधी शताब्दी स्मारक पी0 जी0 कालेज, कोयलसा आजमगढ़। — सदस्य
28. डॉ0 श्रीकान्त पाण्डेय, अर्थशास्त्र विभाग, पी0 जी0 कालेज, गाजीपुर । — सदस्य
29. डॉ0 महेन्द्र सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय पी0 जी0 कालेज, जमुहाई, जौनपुर। — सदस्य
30. डॉ0 दीप्ति सिंह, संगीत विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर । — सदस्य
31. डॉ0 जितेन्द्र प्रसाद सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, एस.जी.आर.पी.जी. कालेज, डोभी, जौनपुर। — सदस्य
32. श्री जगदीश प्रसाद सिंह, भौतिकी विभाग, राष्ट्रीय पी0जी0कालेज, जमुहाई, जौनपुर। — सदस्य
33. श्री बीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्राणि विज्ञान विभाग, टी0डी0पी0जी0, कालेज, जौनपुर। — सदस्य
34. डॉ0 मसूद अख्तर, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिब्ली नेशनल, कालेज, आजमगढ। — सदस्य
35. डॉ0 सत्य प्रकाश सिंह, गणित विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर । — सदस्य
36. डॉ0 मोहिददीन आजादइलाही, अरबी विभाग, शिब्ली नेशनल पी.जी. कालेज, आजमगढ़। — सदस्य
37. डॉ0 समर बहादुर सिंह, बी0एड0 विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। — सदस्य
38. श्री अशहद अहमद, विधि विभाग, शिब्ली नेशनल पी.जी. कालेज, आजमगढ़। — सदस्य
39. श्री बालगोविन्द सिंह, वाणिज्य विभाग, मलिकपुरा महाविद्यालय, मलिकपुरा, गाजीपुर। — सदस्य
40. डॉ0 ओमप्रकाश सिंह, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। — सदस्य
41. डॉ0 आलोक कुमार सिंह कृषि बनस्पति विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। — सदस्य

42. डॉ0 एन0के0 मिश्रा, कृषि प्रसार विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
43. डॉ0 दिग्विजय सिंह, पशुपालन एवं दुग्ध उद्योग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
44. डॉ0 अवधेश कुमार सिंह, कृषि रसायन विभाग, पी.जी. कालेज, गाजीपुर। सदस्य
45. श्री इन्द्रजीत, कृषि कीट विज्ञान, श्री दुर्गा जी पी.जी. कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
46. डॉ0 रमेश सिंह, पादपरोग विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
47. डॉ0 फूलचन्द सिंह, शस्य विज्ञान विभाग, श्री दुर्गा जी पी.जी. कालेज, चण्डेश्वर, आजमगढ़। सदस्य
48. श्री पदमेन्द्र प्रभाकर सिंह, कृषि अभियन्त्रण विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर। सदस्य
49. डॉ0 रजनीश सिंह, कृषि उद्यान विभाग, टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर सदस्य
50. डॉ0 अजय गोस्वामी, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर। सदस्य
51. डॉ0 श्याम कन्हैया सिंह, भूगर्भ विज्ञान, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
52. प्रो0 बी0 बी0 तिवारी, इंजीनियरिंग और टेक्नालाजी संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर । सदस्य
53. डॉ0 मानस पाण्डेय, व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
54. डॉ0 सौरभ पाल, कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
55. डॉ0 मुराद अली, व्यवसाय प्रबन्ध विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
56. डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, व्यवसायिक अर्थशास्त्र विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्व विद्यालय, जौनपुर। सदस्य
57. श्री आलोक गुप्ता, फाइनेन्स कन्ट्रोल विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
58. डॉ0 रसिकेश, एच0 आर0 डी0 विभाग, विश्वविद्यालय परिसर। सदस्य
59. डॉ0 शिव शंकर सिंह, भूगोल, डी0सी0एस0के0पी0जी0 कालेज, मऊ। सदस्य
60. डॉ0 अरूण कुमार सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय पी0जी0 कालेज, जमुहाई, जौनपुर। सदस्य
61. डॉ0 सुरेश सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, मर्यादा पुरूषोत्तम महाविद्यालय, रतनपुरा, मऊ। सदस्य
62. डॉ0 अनिल कुमार सिंह, सैन्य विज्ञान विभाग, गणेश राय पी0जी0 कालेज, डोभी, जौनपुर। सदस्य
63. डॉ0 नागेश्वर सिंह, मनोविज्ञान विभाग, सहकारी पी0जी0 कालेज, मिहरावॉ, जौनपुर। सदस्य
64. डॉ0 राजदेव यादव, शिक्षा शास्त्र विभाग, समता पी0जी0 कालेज, सादात, गाजीपुर। सदस्य
65. डॉ0 शिवलोचन सिंह, भूगोल विभाग, राष्ट्रीय पी0जी0 कालेज, जमुहाई, जौनपुर। सदस्य
66. प्रो0 अजय द्विवेदी, फाइनेन्स कन्ट्रोल विभाग, वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
67. प्रो0 बालकृष्ण अग्रवाल, भौतिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद । सदस्य
68. प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद। सदस्य
69. प्रो0 अविनाश पाण्डेय, पूर्व कुलपति, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी सदस्य
70. प्रो0 वी0 पी0 सिंह, पूर्व डीन, 22 वैशाली प्रीतमपुरा, दिल्ली–110034 सदस्य
71. प्रो0 राम अचल सिंह, पूर्व कुलपति, 22 बी, बेतियाहाता, हरिहर प्रसाद दूबे मार्ग, गोरखपुर। सदस्य
72. डॉ0 सुरजीत यादव कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
73. प्रो0 राजेश शर्मा, वायोटेक्नालॉजी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
74. प्रो0 रामनारायण, वायोटेक्नालॉजी विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य
75. श्री रजनीश भास्कर, इंजीनियरिंग विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर। सदस्य

संकाय भवन

2018

U.G. GOLD MEDALIST

1. 214251

Student Name : PRAGATI RAI
Father's Name : VIDYA SAGAR RAI
Faculty/Department : B.Tech (Computer Science & Engg.)
College/Institute : U.N.S.I.E. & TECH. V.B.S.P.U., JAUNPUR
Marks Obtain : 3781/5000
Division : First
Percent : 75.62

2. 214022

Student Name : LAXMI KANT
Father's Name : HARIBANSH CHAND GOPAL
Faculty/Department : B.Tech (Electronic & Communication Engg.)
College/Institute : U.N.S.I.E. & TECH. V.B.S.P.U., JAUNPUR
Marks Obtain : 4093/5000
Division : First
Percent : 81.86

3. 214307

Student Name : HARSH SINGH BAGHEL
Father's Name : PRADEEP SINGH
Faculty/Department : B.Tech (Information Technology Engg.)
College/Institute : U.N.S.I.E. & TECH. V.B.S.P.U., JAUNPUR
Marks Obtain : 3659/5000
Division : First
Percent : 73.18

4. 214550

Student Name : PIYUSH KUMAR YADAV
Father's Name : OM PRAKASH YADAV
Faculty/Department : B.Tech (Electrical Engg.)
College/Institute : U.N.S.I.E. & TECH. V.B.S.P.U., JAUNPUR
Marks Obtain : 4094/5000
Division : First
Percent : 81.88

5. 214441

Student Name : VAIBHAV SRIVASTAVA
Father's Name : ATUL KUMAR SRIVASTAVA
Faculty/Department : B.Tech (Machanical Engg.)
College/Institute : U.N.S.I.E. & TECH. V.B.S.P.U., JAUNPUR
Marks Obtain : 3967/5000
Division : First
Percent : 79.34

6. 214111

Student Name : DIVYA OMAR
Father's Name : Mr. MAHESH CHANDRA OMAR
Faculty/Department : B. Tech (Electronics & Instrumentation Engg.)
College/Institute : U.N.S.I.E. & TECH. V.B.S.P.U., JAUNPUR
Marks Obtain : 3939/5000
Division : First
Percent : 78.78

7. 2014022

Student Name : MOHAMMED PARBINA
Father's Name : LAL MOHAMMED
Faculty/Department : B. Pharma
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 3571/4600
Division : First
Percent : 77.63

8. 61410200087

Student Name : NISHANT SRIVASTAVA
Father's Name : NIRAJ KUMAR SRIVASTAVA
Faculty/Department : B.C.A.
College/Institute : TECHNICAL EDUCATION AND RESEARCHINSTITUTE, P.G. COLLEGE, GHAZIPUR
Marks Obtain : 3055/3600
Division : First
Percent : 84.86

9. 61410170038

Student Name : SONALI SONI
Father's Name : MOHAN JI VERMA
Faculty/Department : B.B.A.
College/Institute : TECHNICAL EDUCATION AND RESEARCH INSTITUTE, P.G. COLLEGE, GHAZIPUR
Marks Obtain : 2812/3600
Division : First
Percent : 78.11

10. 16822117741

Student Name : GAURAV SINGH
Father's Name : ASHOK KUMAR SINGH
Faculty/Department : B.A.
College/Institute : SRI RAMDHARI CHAUHAN MAHAVIDYALAYA BASTI KHIRIYA, MAU
Marks Obtain : 1544/1800
Division : First
Percent : 85.77

11. 16837411993

Student Name : UTKARSH SINGH
Father's Name : AJAY SINGH
Faculty/Department : B.Sc.
College/Institute : SMT. INDIRA GANDHI MAHAVIDYALAYA, DUMARI, MARYADPUR, MAU
Marks Obtain : 1461/1800
Division : First
Percent : 81.16

12. 16621366778

Student Name : ABHISHEK PATHAK
Father's Name : JAGANNATH PATHAK
Faculty/Department : B. COM
College/Institute : Dr. AKHTAR HASAN RIZVI SHIYA DEGREE COLLEGE, JAUNPUR
Marks Obtain : 1450/2000
Division : First
Percent : 72.5

13. 16601417558

Student Name : DIWAKAR JEE
Father's Name : RAJENDRA KUMAR
Faculty/Department : B.Sc. (Ag.)
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 2162/2800
Division : First
Percent : 77.21

14. 16413369387

Student Name : SUDHIR SINGH
Father's Name : INDRASEN SINGH
Faculty/Department : B.P.E.
College/Institute : SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, GHAZIPUR
Marks Obtain : 1122/1600
Division : First
Percent : 70.13

15. 62010580266

Student Name : TAHZEEB JAHAN
Father's Name : IMTEYAZ AHAMAD
Faculty/Department : LL.B.
College/Institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE, AZAMGARH
Marks Obtain : 1784/3000
Division : Second
Percent : 59.46

16. 166108624

Student Name : SHREYA SINGH
Father's Name : RAKESH PRATAP SINGH
Faculty/Department : B. Ed.
College/Institute : GULABI DEVI MAHAVIDYALAYA, SIDDIQPUR, JAUNPUR
Marks Obtain : 989/1200 TH., 381/400 PR. 1370/1600
Division : First
Percent : 82.41, 95.25, 85.62

2018

P.G. GOLD MEDALIST

1. 157402

Student Name : ANKITA SRIVASTAVA
Father's Name : SANTOSH KUMAR SRIVASTAVA
Faculty/Department : MCA
College/Institute : U.N.S.I.E. & TECH. V.B.S.P.U., JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 4503/6000
Division : First
Percent : 75.05

2. 162408

Student Name : PRAGATI TIWARI
Father's Name : Pramod Tiwari
Faculty/Department : M.Sc. (Environmental Science)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 876/1200
Division : First
Percent : 73.00

3. 162102

Student Name : ANKIT MAURYA
Father's Name : SURESH CHANDRA MAURYA
Faculty/Department : M.Sc. (Biotechnolgy)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 886/1200
Division : First
Percent : 73.83

4. 162307

Student Name : MANOJ CHAUBEY
Father's Name : RADHESHYAM CHAUBEY
Faculty/Department : M.Sc. (Biochemistry)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 852/1200
Division : First
Percent : 71.00

5. 162204

Student Name : ASHISH SHUKLA
Father's Name : AMAR NATH SHUKLA
Faculty/Department : M.Sc. (Microbiology)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtan : 982/1200
Division : First
Percent : 81.83

6. 163202

Student Name : RELUMAL CHAUHAN
Father's Name : RODHAN CHAUHAN
Faculty/Department : M.A. (Applied Psychology)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 1553/2000
Division : First
Percent : 77.65

7. 161139

Student Name : MOHIT SINGH BHATIA
Father's Name : KAMAL SINGH BHATIA
Faculty/Department : M.B.A.
College/Institute : VV.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 2025/2800
Division : First
Percent : 72.32

8. 161201

Student Name : ABHISHEK SINGH
Father's Name : SHAILENDRA SINGH
Faculty/Department : M.B.A. (Agri-Business)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 1781/2800
Division : First
Percent : 63.60

9. 161409

Student Name : SHYAMAL SRIVASTAVA
Father's Name : VINAY KUMAR SRIVASTAVA
Faculty/Department : M.B.A. (Business Economics
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 1845/2800
Division : First
Percent : 65.89

10. 161737

Student Name : NADEEM AHMAD KHAN
Father's Name : FEROZ AHMAD
Faculty/Department : M.B.A. (Finance & Control)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 1922/2800
Division : First
Percent : 68.64

11. 161518

Student Name : PREETI MISHRA
Father's Name : RAJEEV MISHRA
Faculty/Department : M.B.A. (HRD)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL, UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 2025/2800
Division : First
Percent : 72.32

12. 163111

Student Name : SONAM VISHWAKARMA
Father's Name : RAJENDRA KUMAR
Faculty/Department : M.A. (Mass Communication)
College/Institute : V.B.S. PURVANCHAL UNIVERSITY, JAUNPUR (CAMPUS)
Marks Obtain : 1322/2000
Division : First
Percent : 66.10

13. 17620220004

Student Name : VIVEK NISHAD
Father's Name : LATE RATAN LAL NISHAD
Faculty/Department : M. COM.
College/Institute : MOHAMMAD HASAN POST GRADUATE COLLEGE, JAUNPUR
Marks Obtain : 856/1200
Division : First
Percent : 71.33

14. 17201220587

Student Name : PRITY
Father's Name : MAKHANJOO RAM
Faculty/Department : M. Sc. (Math)
College/Institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE, AZAMGARH
Marks Obtain : 996/1200
Division : First
Percent : 83.00

15. 17601222105

Student Name : SHREYA SRIVASTAVA
Father's Name : JITENDRA SRIVASTAVA
Faculty/Department : M. Sc. (Zoology)
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 877/1200
Division : First
Percent : 73.08

16. 17601221957

Student Name : ANSHIKA SINGH
Father's Name : SHAILENDRA SINGH
Faculty/Department : M. Sc. (Physics)
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtan : 918/1200
Division : First
Percent : 76.50

17. 17201220604

Student Name : RESHMA KHAN
Father's Name : IBNE HASAN KHAN
Faculty/Department : M. Sc. (Chemistry)
College/Institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE, AZAMGARH
Marks Obtain : 918/1200
Division : First
Percent : 76.50

18. 17620222770

Student Name : ANKITA SINGH
Father's Name : SUBASH SINGH
Faculty/Department : M. Sc. (Botany)
College/Institute : MOHAMMAD HASAN POST GRADUATE COLLEGE, JAUNPUR
Marks Obtain : 859/1200
Division : First
Percent : 71.58

19. 17604205277

Student Name : POONAM PATHAK
Father's Name : NANDLAL PATHAK
Faculty/Department : M. A. (Defence & Strategic Studies)
College/Institute : SRI GANESH RAI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, DOBHI, JAUNPUR
Marks Obtain : 679/1000
Division : First
Percent : 67.90

20. 17601220305

Student Name : POOJA PAL
Father's Name : CHANDRA JEET PAL
Faculty/Department : M.Sc.(Ag.)(Plant Pathology) & Control)
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 631/800
Division : First
Percent : 78.87

21. 17413220205

Student Name : ANKUR KUMAR SINGH
Father's Name : RAM DULAR SINGH
Faculty/Department : M.Sc. (Ag.) (Horticulture)
College/Institute : SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, GHAZIPUR
Marks Obtain : 734/1000
Division : First
Percent : 73.4

22. 17413220219

Student Name : KM. SUMAN
Father's Name : MEJPAL
Faculty/Department : M.Sc. (Ag.) (Genetics & Plant Breeding)
College/Institute : SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, GHAZIPUR
Marks Obtain : 619/800
Division : First
Percent : 77.37

23. 17604220390

Student Name : SUJEET KUMAR
Father's Name : MIRMAL RAM
Faculty/Department : M.Sc. (Ag.) (Agronomy)
College/Institute : SRI GANESH RAI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, DOBHI, JAUNPUR
Marks Obtain : 593/800
Division : First
Percent : 74.12

24. 17601220348

Student Name : VIRENDRA KUMAR
Father's Name : ACHCHE LAL
Faculty/Department : M.Sc. (Ag.) (Agricultural Economics)
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 694/1000
Division : First
Percent : 69.40

25. 17601220275

Student Name : GANESH KUMAR
Father's Name : VIDYA PRASAD
Faculty/Department : M.sc.(ag.) (agricultural Chemistry&Soil Science
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 604/800
Division : First
Percent : 75.50

26. 17601220284

Student Name : KM OM LATA RAO
Father's Name : UMA NATH RAO
Faculty/Department : M.Sc. (Ag.) (Entomology)
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 573/800
Division : First
Percent : 71.62

27. 16620094

Student Name : SHWETA SRIVASTAVA
Father's Name : LATE SHYAM KISHORE LAL
Faculty/Department : M. Ed.
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 1556/2000
Division : First
Percent : 77.80

28. 17601203225

Student Name : KM CHANCHAL SINGH
Father's Name : HARIHAR SINGH
Faculty/Department : M. A. (Ancient History, Archaeology & culture)
College/Institute : TILAKDHARI SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, JAUNPUR
Marks Obtain : 860/1100
Division : First
Percent : 78.18

29. 17620209405

Student Name : SIDDHARTH SINGH
Father's Name : SANJAY SINGH
Faculty/Department : M. A. (Political Science)
College/Institute : MOHAMMAD HASAN POST GRADUATE COLLEGE, JAUNPUR
Marks Obtain : 692/1000
Division : First
Percent : 69.20

30. 17209189051

Student Name : KM SUSHMA
Father's Name : RAMA SHANKAR PRAJAPATI
Faculty/Department : M. A. (Hindi)
College/Institute : GANDHI SMARAK TRIVENI POST GRADUATE COLLEGE, BARDAH, AZAMGARH
Marks Obtain : 713/1000
Division : First
Percent : 71.30

31. 17413197140

Student Name : ARCHANA SINGH
Father's Name : ASHOK KUMAR SINGH
Faculty/Department : M. A. (Economics)
College/Institute : SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, GHAZIPUR
Marks Obtain : 697/1000
Division : First
Percent : 69.70

32. 17421199246

Student Name : SUJATA
Father's Name : ASHOK KUMAR SINGH
Faculty/Department : M. A. (English)
College/Institute : SANTBOOLA SATYANAM DASS BIRBAL SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, AMARI, DULLAHAPUR, GHAZIPUR
Marks Obtain : 753/1000
Division : First
Percent : 75.30

33. 17851217511

Student Name : SAROJ YADAV
Father's Name : RAM BILASH
Faculty/Department : M. A. (Sanskrit)
College/Institute : H. M. MAHA VIDYALAYA, PEEWATAL, MAU
Marks Obtain : 754/1000
Division : First
Percent : 75.40

34. 17620208947

Student Name : ALKA MAURYA
Father's Name : ASHOK KUMAR MAURYA
Faculty/Department : M. A. (Education)
College/Institute : MOHAMMAD HASAN POST GRADUATE COLLEGE, JAUNPUR
Marks Obtain : 706/1000
Division : First
Percent : 70.60

35. 17620209018

Student Name : GARIMA SINGH
Father's Name : YOGENDRA SINGH
Faculty/Department : M. A. (Home Science) (Food Nu.)
College/Institute : MOHAMMAD HASAN POST GRADUATE COLLEGE, JAUNPUR
Marks Obtain : 985/1200
Division : First
Percent : 82.08

6. 17285195000

Student Name : SANDHYA YADAV
Father's Name : MAHNDRA YADAV
Faculty/Department : M. A. (Home Science) (HUM.DEV.)
College/Institute : JAI PRAKASH MAHAVIDYALAYA, FATUHI, AZAMGARH
Marks Obtain : 955/1200
Division : First
Percent : 79.58

37. 17202187962

Student Name : SUMAN SINGH
Father's Name : RAJENDRA PAL SINGH
Faculty/Department : M. A. (Medieval & Modern History)
College/Institute : D. A. V. SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, AZAMGARH
Marks Obtain : 689/1000
Division : First
Percent : 68.90

38. 17807213620

Student Name : UMME SABA
Father's Name : MUNAUWAR ALI
Faculty/Department : M. A. (Urdu)
College/Institute : TALIMUDDIN NISVAN DEGREE COLLEGE, MAU
Marks Obtain : 739/1000
Division : First
Percent : 73.90

39. 17622209792

Student Name : VIMMI JAISWAL
Father's Name : DEVENDRA KUMAR JAISWAL
Faculty/Department : M.A. (Psychology)
College/Institute : SARVAJANIK P. G. COLLEGE, MUGRABADSHAHPUR, JAUNPUR
Marks Obtain : 719/1000
Division : First
Percent : 71.90

40. 17201186527

Student Name : AVANTIKA SINGH
Father's Name : SHIVAJI SINGH
Faculty/Department : M.A. (Philosophy)
College/Institute : SHIBLI NATIONAL COLLEGE, AZAMGARH
Marks Obtain : 772/1000
Division : First
Percent : 77.20

41. 17611206582

Student Name : NEHA UPADHYAY
Father's Name : RAJKUMAR
Faculty/Department : M.A. (Geography)
College/Institute : SALTANAT BAHADUR P. G. COLLEGE, BADALAPUR, JAUNPUR
Marks Obtain : 716/1000
Division : First
Percent : 71.60

42. 17608206067

Student Name : SHIMPI MISHRA
Father's Name : DEVI PRASAD MISHRA
Faculty/Department : M.A. (Sociology)
College/Institute : RAJA HARPAL SINGH P. G. COLLEGE, SINGRAMAU, JAUNPUR
Marks Obtain : 684/1000
Division : First
Percent : 68.40

सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालय–2018

कमांक	जनपद	राजकीय महाविद्यालय	अनुदानित महाविद्यालय	स्ववित्त पोषित महाविद्यालय	कुल महाविद्यालयों की संख्या
1	आजमगढ़	02	10	216	228
2	गाजीपुर	03	08	302	313
3	मऊ	02	04	140	146
4	जौनपुर	02	14	160	176
5	इलाहाबाद (हंडिया)	—	01	—	01
	कुल	**09**	**37**	**818**	**864**

परीक्षा सत्र 2017–18 में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या

	पंजीकृत विद्यार्थी			उत्तीर्ण विद्यार्थी		
कुल परीक्षार्थी	कुल परीक्षार्थी	छात्र	छात्रायें	कुल परीक्षार्थी	छात्र	छात्रायें
स्नातक परीक्षार्थी	138293	54934	83359	126567	49264	77303
परास्नातक परीक्षार्थी	32964	11819	21145	31709	11207	20502

स्वर्ण पदक धारक

स्वर्ण पदक	संख्या			प्रतिशत	
	छात्रायें	छात्र	कुल	छात्रायें	छात्र
स्नातक	06	10	16	37.5	62.5
परास्नातक	28	14	42	67	33
कुल योग	**34**	**24**	**58**	**59**	**41**

संकायवार शोध उपाधि धारकों की सूची–2018

कमांक	जनपद	उपाधि धारक
1	कला	83
2	विज्ञान	22
3	शिक्षा	08
4	कृषि	01
5	विधि	01
	कुल	**115**

विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ 2018

जनवरी, 2018

1. 10 जनवरी को कार्य परिषद की बैठक का आयोजन किया गया।
2. 03 जनवरी को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में कैंपस सेलेक्शन का आयोजन किया गया। समन्वयक, प्लेसमेंट सेल, प्रो0 रंजना प्रकाश के अथक प्रयासों से इंजीनियरिंग के 22 विद्यार्थियों का चयन हुआ।

   30 जनवरी को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विज्ञान एवं फार्मेसी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित कैंपस सेलेक्शन के अंतर्गत 34 विद्यार्थियों का चयन हुआ।
3. 04 जनवरी को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में दो दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस तकनीकी प्रशिक्षण में इंजीनियरिंग संस्थान के 261 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर तकनीकी कौशल ,ऑटो मिशन ,सी प्लस –प्लस, डेटाबेस मैनेजमेंट ,ग्राफिक डिजाइन, मैटलैब एवं एन्सिस का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
4. 09 जनवरी को विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में प्रखर देशभक्त हिंदू धर्म दर्शन के संवाहक – स्वामी विवेकानंद विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रज्ञा प्रवाह के वैचारिक संगठन उन्मेष के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन हुआ।
5. 10 जनवरी को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डा. राजा राम यादव ने कुलपति सभागार में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री राम नाईक जी द्वारा लिखित पुस्तक ''चरैवेति! चरैवेति''!! को कार्य परिषद के सदस्यों को भेंट की। विश्वविद्यालय के 30 वर्ष पूर्ण होने पर मा0 राज्यपाल श्री राम नाईक जी द्वारा लिखित पुस्तक ''चरैवेति! चरैवेति''!! की तीन हजार प्रतियां वितरित की गयी। ताकि इससे प्रेरणा लेकर विद्वतजन सभी का मार्ग प्रशस्त कर सकें। इसके साथ ही महाविद्यालयों द्वारा इस पुस्तक की दस हजार प्रतियां शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को दी गयी।
6. 12 जनवरी को वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर ''राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह'' का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश मा0 श्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि युवाओं के सामने कई चुनौतियां है, सच्चा युवक वही है जो पलायन करने के बजाए चुनौतियों को स्वीकार करे। राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं मंचस्थ अतिथियों को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल रामनाईक द्वारा लिखित पुस्तक ''चरैवेति!चरैवेति''!! भेंट की गयी।

   प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के साथ कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव ने प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान भवन एवं अशोक सिंघल भारतीय परंपरागत विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान भवन का शिलान्यास किया। इसके साथ ही संगोष्ठी भवन का नामकरण पूज्य महंत अवैद्यनाथ के नाम पर हुआ।
7. 17 जनवरी से 19 जनवरी तक विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में टेकिप योजना के तहत व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।
8. विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षान्त समारोह 22 जनवरी को माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें माननीय न्यायमूर्ति श्री दिलीप बाबा साहेब भोसले मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, इलाहाबाद को ''डाक्टर ऑफ लाज'' की मानद उपाधि से तथा श्री आशीष गौतम, अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार को ''डी0लिट्0'' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। पद्म भूषण प्रो0 श्रीकृष्ण जोशी, पूर्व महानिदेशक, सी0 एस0 आई0 आर0, नई दिल्ली दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि थे। दीक्षान्त समारोह में 228 शोधार्थियों को पी–एच0डी0 की उपाधि प्रदान की गयी तथा स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न संकायों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 57 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक जी द्वारा नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान एवं वैकल्पिक ऊर्जा शोध संस्थान का शिलान्यास किया गया।
9. 23 जनवरी को विश्वविद्यालय परिसर स्थित रोवर्स–रेंजर्स भवन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयन्ती के अवसर पर उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।
10. 26 जनवरी को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।
11. 29 जनवरी को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में भारतीय पत्रकारिता दिवस मनाया गया

। जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों ने भारत के सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र "हिक्की गजट" के बारे में विस्तार से चर्चा की।

12. 30 जनवरी को विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना परिसर इकाई द्वारा आयोजित कार्य शिविर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर में योग के माध्यम से स्वस्थ रहने का संदेश दिया गया।

13. 30 जनवरी को विश्वविद्यालय में संत रविदास जयंती की पूर्व संध्या पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने संत रविदास को सामाजिक समरसता का अग्रदूत बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

14. 31 जनवरी को व्यवसाय प्रबंध विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शैक्षणिक नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में हुआ। यह चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक मिशन एवं शिक्षण द्वारा उत्प्रेरित एवं समर्थित रहा।

15. **खेल गतिविधियॉं–**

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजन

1. अन्तर महाविद्यालयीय जिम्नास्टिक पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता

यह प्रतियोगिता 05 जनवरी को सम्पन्न हुई, जिसमें 8 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया। प्रतियोगिता एवं ट्रायल के आधार पर अर्हता प्राप्त खिलाड़ियों का विश्वविद्यालय टीम में चयन किया गया।

2. **अन्तर महाविद्यालयीय ताइक्वाण्डो पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–**

यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में 07 जनवरी को सम्पन्न हुई, जिसमें 7 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

3. **अन्तर महाविद्यालयीय 5 साइड हाकी पुरूष एवं महिला प्रतियोगिता–**

यह प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में दिनांक 16 जनवरी, 2018 को सम्पन्न हुई, जिसमें 06 महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

उपलब्धियां–

1. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट (पुरूष) प्रतियोगिता –**

यह प्रतियोगिता दिनांक 21 दिसम्बर से 03 जनवरी, 2018 तक किट्ट विश्वविद्यालय, उड़ीसा में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त किया।

2. **पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयीय हाकी (महिला) प्रतियोगिता –**

यह प्रतियोगिता दिनांक 09 से 14 जनवरी, 2018 तक सम्बलपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा में सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त किया।

16. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 78573 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

17. जनवरी, 2018 तक विश्वविद्यालय के 7616 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।

18. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 हेतु 663 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 48 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड किया गया।

फरवरी, 2018

1. 05 फरवरी को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा रिसर्च एवं इनोवेशन सेंटर में "आर्थिक पत्रकारिताः चुनौतियां एवं संभावनाएं" विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने देश की अर्थव्यवस्था और आर्थिक पत्रकारिता के विविध आयामों पर अपने विचार रखें।

2. 08 फरवरी को विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग द्वारा जौनपुर शहर में बापू बाजार का आयोजन किया गया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा जरूरतमंदों को सस्ते दामों पर कपड़े उपलब्ध कराये गये।

3. 09 फरवरी को विश्वविद्यालय के केन्द्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा प्रबन्ध अध्ययन संकाय के विद्यार्थियों के लिए नरसी मौंजी इस्टीट्यूट आफ मैंनेजमेंट, मुम्बई से स्काईप साफ्टवेयर के जरिए सीधे आनलाइन चयन प्रक्रिया आयोजित करायी गयी। मार्केटिगं के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के इच्छुक प्रबन्ध अध्ययन संस्थान के 32 छात्र इस प्रक्रिया में सम्मिलित हुए।

4. 10 फरवरी को विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विभाग द्वारा पुरातन छात्र सम्मेलन 2018 का आयोजन विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में किया

गया। इस सम्मेलन में 1992 से 2017 तक उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया और अपने अनुभवों को साझा किया।

5. 10 फरवरी को विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग द्वारा विश्वेश्वरैया सभागार में उद्योग– शैक्षणिक अंतरफलक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उद्योगों एवं शैक्षणिक संस्थानों में बेहतर तालमेल कैसे स्थापित हो इस पर विस्तार से चर्चा की गई। उद्योग क्षेत्र से आए हुए वक्ताओं ने एकमत से संस्थानों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम की गुणवत्ता एवं उद्योग जगत की मांग के अनुसार निर्धारित करने पर बल दिया।

6. 12 फरवरी को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में प्रबंध अध्ययन संकाय के विद्यार्थियों के लिए पांच दिवसीय एंप्लॉयमेंट एनहांसमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोजगार पाने की दक्षता को विकसित करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सॉफ्ट स्किल, इंटरव्यू तकनीक , बायोडाटा निर्माण तकनीक, भाषा का ज्ञान प्रशिक्षकों द्वारा दिया गया।

7. 16 फरवरी को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में देश के प्रधानमंत्री मा0 नरेंद्र मोदी जी के तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हुआ। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री की बातों को आत्मसात किया। इस अद्भुत अनुभूति की चर्चा आज भी छात्रों में है।

8. 16 एवं 17 फरवरी को विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के विश्वेश्वरैया सभागार में दो दिवसीय उपग्रह संचार पर फैकल्टी विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर विशेषज्ञ इसरो, लखनऊ के वैज्ञानिक डॉ0 डी0 के0 मिश्रा ने सैटेलाइट संचार के विविध आयामों का विस्तार से अपनी बात रखी। कार्यक्रम में बतौर वक्ता इस्ट्रैक, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर एस0 के0 पाण्डेय, इसरो, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 एस0 एन0 साहू ने शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।

9. 19 फरवरी को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में सीसी टीवी. कैमरे की निगरानी में नकल विहीन परीक्षा सम्पादित किये जाने के लिए परिचर्चा आयोजित की गई। इस परिचर्चा में विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के पांच जनपदों के समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्रबंधक एवं उनके प्रतिनिधिगण ने प्रतिभाग किया।

10. 19 से 24 फरवरी तक विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया हाल में छह दिवसीय "ट्रेनिंग प्रोग्राम आन एकेडमिक लीडरशिप" कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन शिक्षण और शिक्षक विषय पर आयोजित किया गया। इसका आयोजन बिजनेस मैनेजमेंट विभाग और अलीगढ़ विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

11. 20 फरवरी को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में अवकाश प्राप्त शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 15 अवकाश प्राप्त शिक्षकों को अंगवस्त्रम और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

12. 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया हाल में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में वैज्ञानिक मुद्दे एवं देश का विकास विषय पर व्याख्यानमाला का आयोजन हुआ। भारत सरकार के तकनीक शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम (टेकिप–3) के अन्तर्गत यह समारोह आयोजित हुआ।

बतौर मुख्य अतिथि कलकत्ता विश्वविद्यालय के आप्टिक्स एवं फोटोनिक्स के प्रो. लक्ष्मीनारायन हाजरा, विशिष्ट अतिथि के रूप में ओएनजीसी के पूर्व जीएम डॉ0 पी0 के0 मिश्र तथा पुणे विश्वविद्यालय के प्रो0 वी0 ए0 तभाने ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर सोविनियर का विमोचन भी किया गया।

13. 27 फरवरी को विश्वविद्यालय के अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में सत्र 2016–17 में पूर्वी जोन की प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को खेलकूद परिषद द्वारा सम्मानित किया गया। पूर्वी जोन अंतर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ स्थान पाने वाले खिलाड़ियों के साथ ही ऑल इंडिया वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी इसमें सम्मानित हुए। सम्मान समारोह में वॉलीबॉल महिला, हैंडबाल पुरुष –महिला, कबड्डी पुरुष –महिला, टेनिस महिला, बैडमिंटन महिला, बास्केटबॉल महिला एवं खो–खो महिला टीम के 121 खिलाड़ी, कोच एवं प्रबंधक भी सम्मानित हुए।

14. **खेल गतिविधियाँ–**

(1) पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता –

यह प्रतियोगिता 03 फरवरी से 11 फरवरी, 2018 तक विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई, जिसमें 13 विश्वविद्यालय की टीमों ने प्रतिभाग किया। विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालीय प्रतियोगिता हेतु अर्हता प्राप्त किया।

(2) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय हॉकी पुरूष प्रतियोगिता

यह प्रतियोगिता 09 से 19 फरवरी, 2018 तक नेहरू हाकी सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा सम्पन्न करायी गयी, जिसमें विश्वविद्यालय की टीम ने द्वितीय

स्थान प्राप्त किया।

(3) अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय वूसू पुरूष प्रतियोगिता –

यह प्रतियोगिता दिनांक 20 से 24 फरवरी, 2018 तक एम0डी0यू0 रोहतक, हरियाणा द्वारा सम्पन्न करायी गयी, जिसमें 75 कि0 ग्राम0 भार वर्ग में इस विश्वविद्यालय के छात्र विनीत कुमार यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

15. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाइब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 78573 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
16. अब तक विश्वविद्यालय के 7616 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।
17. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 हेतु 670 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 205 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

मार्च, 2018

1. विश्वविद्यालय परिसर में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में सत्र 2018–19 में प्रवेश हेतु दिनांक 14.03. 2018 से आन लाइन आवेदन आमंत्रित किये गये।
2. 17 एवं 18 मार्च को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा कैम्पस सेलेक्शन का आयोजन किया गया जिसमें इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संकाय के लिखित परीक्षा में सफल हुए 65 विद्यार्थियों में से पाई इंफोकाम लिमिटेड कम्पनी द्वारा 21 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न पदो के लिये किया गया।
3. 29 मार्च को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा कैम्पस सेलेक्शन का आयोजन किया गया जिसमें इंजीनियरिंग एवं प्रबन्ध संकाय के 37 विद्यार्थियों का चयन किया गया। विगत तीन माह में अभी तक कुल 118 विद्यार्थियों का कैम्पस सेलेक्शन हो चुका है।
4. 07 मार्च को विश्वविद्यालय के एच0आर0डी0 विभाग में "वेदना से संवेदना" कार्यक्रम के तहत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर क्विज, कविता व रंगोली प्रतियोगिता "अपराजिता 2018" का आयोजन किया गया।
5. सत्र 2017–18 हेतु पी–एच0डी0 प्रोग्राम में प्रवेश प्रारम्भ हुआ।
6. 07 मार्च को विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में निःशुल्क कोचिंग क्लासेज का उद्घाटन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को आई0ए0एस0 एवं पी0सी0एस0 परीक्षा की तैयारियों के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है।
7. 09 मार्च को विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान में "गुणवत्तापरक शिक्षा एवं शिक्षण" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भौतिकी के प्रो0 डॉ0 हरि प्रकाश ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित किया।
8. वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय की सत्र 2017–18 की वार्षिक परीक्षाएं दिनांक 12 मार्च, 2018 से प्रारम्भ हुई जो दिनांक 14 मई तक सम्पादित हुई । परीक्षाओं के सफल संचालन हेतु विश्वविद्यालय से सम्बद्ध जनपदों जौनपुर में 152, आजमगढ़ में 180, गाजीपुर में 222, मऊ में 122 तथा इलाहाबाद में 01 महाविद्यालय कुल 677 महाविद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया। इस वर्ष परीक्षाएं सी0सी0 टी0वी0 कैमरे की निगरानी में सम्पन्न करायी गई। नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए प्रत्येक जनपद के लिए अलग–अलग उड़ाका दल का गठन किया गया।
9. 22 एवं 23 मार्च, 2018 को विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान में "ओरिएन्टेशन प्रोग्राम आन स्टार्टअप एण्ड उद्यमिता" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को बताया गया कि अब उद्योग धन्धे नेटवर्क पर निर्भर हो गये है और इन पर तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उद्यमी बनने की ललक रखने वाले विद्यार्थियों को चिन्हित किया गया। यह कार्यक्रम उद्यमिता विकास संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया।
10. 26 मार्च को विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में "अपना अध्यात्म, अपनी गोमती" विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में आध्यात्मिक साक्षारता के संस्थापक स्वामी कृष्णकांत तथा बी0एच0यू0, वाराणसी के न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो0 विजय नाथ मिश्र अपने विचार व्यक्त किये।
11. 28 मार्च को विश्वविद्यालय में विज्ञान, शोध और मानव जीवन पर पड़ने वाले उसके प्रभाव पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने शोध का लाभ आम आदमी और खासकर किसानों तक कैसे पहुंचे इस पर प्रकाश डाला।
12. **खेल गतिविधियॉं–**

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता का आयोजन परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम में दिनांक 06 से 11 मार्च तक किया गया जिसमें वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर प्रथम,

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक द्वितीय तथा मुम्बई विश्वविद्यालय तृतीय स्थान प्राप्त किया।

13. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाइब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 80574 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
14. अब तक विश्वविद्यालय के 7618 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।
15. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 हेतु 619 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 276 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

अप्रैल, 2018

1. 28 अप्रैल को विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। पोस्टर प्रतियोगिता में विज्ञान संकाय के बायो टेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।
2. 18 अप्रैल को विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट सेल द्वारा कैम्पस प्लेसमेन्ट का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बी0टेक0, सी0एस0 ई0 एवं आई0टी0 के चार विद्यार्थियों का चयन ओसियन इंफो सिस्टम और मैक्स इंफावेयर प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी के लिये किया गया।
3. 23 एवं 24 अप्रैल को विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जॉब फेयर 2018 का आयोजन किया गया । विश्वविद्यालय में पहली बार रोजगार के लिए इस तरह का वृहद् आयोजन किया गया है। जॉब फेयर का उद्घाटन कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव एवं नई दिल्ली से आए भारत सरकार के पूर्व उप सचिव श्री कृष्ण दत्त समाधिया ने किया। जॉब फेयर 2018 में 1125 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया। परिसर के इंजीनियरिंग, प्रबंधन , जनसंचार, फार्मेसी, व्यावहारिक मनोविज्ञान आदि विषयों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 20 महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भी प्लेसमेंट प्रक्रिया में प्रतिभाग किया। जॉब फेयर के पहले दिन 17 कंपनियों के प्लेसमेंट प्रक्रिया में विद्यार्थियों ने अपना कौशल दिखलाया, जिसमें भारत स्टार सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, मोबिलिटी, अरनव इन्फोसॉफ्ट, ऑथेंटिक इंफोसॉफ्ट लिमिटेड, एनसीआर कॉरपोरेशन इंजीनियरिंग, कोहिनूर एग्रो, न्यूट्री लाइफ प्राइवेट लिमिटेड, चंदन हेल्थ केयर लिमिटेड, यूरेका फोर्ब्स, यूएसजी, जीएनएन, इंडिया मार्ट, कार्वी ग्रुप, ई जेड मूव्स कंपनियां शामिल हुई। इस जॉब फेयर में विश्वविद्यालय के कुल 561 छात्रों को नौकरी प्राप्त हुई।
4. 16 एवं 17 अप्रैल को नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भैषज्य विज्ञान की शिक्षिका डॉ0 झांसी मिश्रा को आमंत्रित किया गया। वहां पर डॉ0 (श्रीमती) मिश्रा ने अपना रिसर्च व्याख्यान दिया। उनके उत्कृष्ट रिसर्च व्याख्यान के लिये डॉ0 झांसी मिश्रा को नीदरलैंड द्वारा यंग साईंटिस्ट अवार्ड दिया गया। इस अवार्ड को प्राप्त कर डॉ0 झांसी मिश्रा ने विश्वविद्यालय के गौरव को बढ़ाया।
5. 14. अप्रैल को विश्वविद्यालय के विश्वेश्वरैया सभागार में भारतरत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने बाबा साहेब के समग्र व्यक्तित्व पर विचार मंथन किया।
6. 10 अप्रैल 2018 को विश्वविद्यालय में वरिष्ठ पत्रकार एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री प्रेम शुक्ल एवं दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष श्री आशीष गौतम ने कुलपति से मुलाकात कर विश्वविद्यालय की वर्तमान एवं भविष्यगत योजनाओं पर चर्चा की। श्री प्रेम शुक्ल एवं श्री आशीष गौतम को अंगवस्त्रम तथा उत्तर –प्रदेश के राज्यपाल माननीय श्री राम नाईक जी की कृति चरैवेति! चरैवेति!! भेंट की गयी।
7. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाईब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 84912 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
8. अब तक विश्वविद्यालय के 7936 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।
9. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 हेतु 627 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 329 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

मई, 2018

1. 03 मई को परीक्षा समिति 08 मई को प्रवेश समिति तथा 16 मई को कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन हुआ।
2. विश्वविद्यालय की सत्र 2017–18 की वार्षिक परीक्षाएं 14 मई को

सकुशल सम्पन्न हो गयी। इस परीक्षा में कुल 499414 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। स्नातक एवं स्नातकोत्तर कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं कृषि संकाय के समस्त कक्षाओं का वार्षिक परीक्षाफल 30 मई को एक साथ घोषित कर दिया गया है। इसी के साथ प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में पूर्वांचल विश्वविद्यालय वार्षिक परीक्षाओं का सम्पूर्ण परीक्षाफल एक साथ घोषित करने वाला प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है। इस वर्ष चार लाख निन्यानवे हजार चार सौ चौदह विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी।

3. 14 मई को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा "पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार" विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
4. 18 मई को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में स्वदेशी क्रान्ति के अग्रदूत, योग ऋषि एवं उद्योग ऋषि परमपूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज के अभिनन्दन एवं आशीर्वचन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पूज्य स्वामी रामदेव जी ने लोगों में राष्ट्र भक्ति, योग प्रेम, स्वदेशी उद्योग प्रेम और नैतिकता का संचार किया। इस अभूतपूर्व कार्यक्रम में 2000 से भी अधिक की संख्या थी। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आस्था चैनल के द्वारा किया गया जिससे विश्वविद्यालय की उपलब्धियां भी कई देशों तक पहुँच गयी।
5. 26 मई को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग में "मनोविज्ञान के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर" विषयक एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन किया गया।
6. इस वर्ष पी–एच. डी. प्रोग्राम में 1165 प्रवेश पूरे किये जा चुके हैं और अभी प्रवेश प्रक्रिया जारी है।
7. 30 मई को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में एम0 एड0 सत्र 2018–20 में प्रवेश हेतु कांउसिलिंग करायी गयी।
8. 30 मई को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। "हिंदी पत्रकारिता और अंतरजाल" विषयक परिचर्चा में वक्ताओं ने विभिन्न आयामों पर अपनी बात रखी।
9. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाइब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software वित University Library) में अब तक 90236 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
10. अब तक विश्वविद्यालय के 7955 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।
11. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 हेतु 631 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 385 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

जून, 2018

1. 10 जून को विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया तथा 20 जून को प्रवेश परीक्षा का परिणाम भी घोषित कर दिया गया है।
2. विश्वविद्यालय के कुलपति ने 8 से 15 जून तक चीन के ख्यातिलब्ध नानजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में विभिन्न अकादमिक गतिविधियों में प्रतिभाग कर अपना संभाषण दिया। यह यात्रा विश्वविद्यालय के लिए लाभकारी रही। विश्वविद्यालय का नानजिंग विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ शीघ्र ही आईएमओयू (इंटनेशनल मेमोरंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) हस्ताक्षरित होगा जिससे वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में वैश्विक छवि बनेगी तथा दोनों विश्वविद्यालयों के छात्र एक दूसरे के विश्वविद्यालयों में शैक्षिक गतिविधियों में प्रतिभाग कर सकेंगे।

   चीन में कुलपति ने अल्ट्रासोनिक्स इन नैनोसाइंस एंड टेक्नोलॉजी एवं अल्ट्रसोनिक्स फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी विषय पर विशेष व्याख्यान दिया तथा नानजिंग विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के साथ अल्ट्रासॉनिक्स और नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न आयामों पर मंथन किया।
3. 20 जून को योग दिवस की पूर्व संध्या पर परिसर में योग यात्रा निकाली गयी तथा 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित कर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों को योगाचार के द्वारा योगाभ्यास कराया गया।
4. इस वर्ष पी–एच.डी. प्रोग्राम में 1165 प्रवेश पूरे किये जा चुके हैं और अभी प्रवेश प्रक्रिया जारी है।
5. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाइब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software वित University Library) में अब तक 94805 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
6. विश्वविद्यालय के 7955 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।
7. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 हेतु 639 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 427 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

जुलाई, 2018

1. 03 जूलाई को वित्त समिति की बैठक का आयोजन किया गया।
2. विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व से संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा अध्ययन–अध्यापन का कार्य प्रारम्भ हुआ।
3. विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान संस्थान के अंतर्गत एम0एससी0 फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं एप्लाइड जियोलाजी में सत्र 2018–19 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये।
4. सत्र 2018–19 में पी–एच.डी. प्रोग्राम में प्रवेश हेतु दिनांक– 16.07.2018 से आनलाइन प्रवेश परीक्षा फार्म भरवाया गया।
5. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाइब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 98713 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
6. अब तक विश्वविद्यालय के 7955 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट "शोध गंगा" पर अपलोड किये गये।
7. AISHE के अन्तर्गत सत्र 2017–2018 हेतु 639 महाविद्यालयों का पंजीकरण तथा 427 महाविद्यालयों का फार्म अपलोड कराया जा चुका है।

अगस्त 2018

1. 04 अगस्त को कार्यपरिषद की बैठक तथा 18 अगस्त को परीक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया।
2. 06 अगस्त को स्ववित्तपोषित महाविद्यालय प्रबन्धक एसोसिएशन द्वारा विश्वविद्यालय के संगोष्ठी भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस सम्मान समारोह में वर्ष 2018 की परीक्षा समय से कराने तथा परीक्षा परिणाम समयपूर्व 30 मई, 2018 को ही घोषित करने पर कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव तथा अन्य विश्वविद्यालय के अधिकारियों को सम्मानित किया गया।
3. 10 से 31 अगस्त तक विश्वविद्यालय के उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के बी० टेक प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं हेतु 21 दिवसीय अभिप्रेरण कार्यक्रम (Induction Programme) का आयोजन किया गया।
4. 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर "सामाजिक एकता और समरसता" का सन्देश देने के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाई। जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थी और शिक्षक एक–दूसरे का हाथ पकड़ कर राष्ट्र की एकता के लिए संकल्पित हुए।
5. 15 अगस्त को विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण के पश्चात विश्वविद्यालय के अधिकारियों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को कुलपति महोदय ने सम्बोधित किया तथा जीवन को राष्ट्र के प्रति संवेदनशील रहने के लिये अभिप्रेरित किया, इसके साथ ही मुक्तांगन में पौधरोपण किया। विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर विद्यार्थियों द्वारा भी पौधे लगाए गए।

   स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से प्रदत्त कर्तव्य एवं दायित्वों को पूर्ण जिम्मेदारी एवं निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने वाले विश्वविद्यालय के 15 कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं पांच हजार रुपए नकद देकर पुरस्कृत किया गया, जिसमें श्री श्याम चन्द्र श्रीवास्तव, श्री मदन मोहन भट्ट, श्री रहमत उल्लाह, श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, श्री ओम प्रकाश गुप्ता, श्री सुशील प्रजापति, श्री रमेश पाल, मो0 अफसर, श्री रजनीश सिंह, श्री सीतेश कुमार श्रीवास्तव, श्री कृष्ण कवल पाण्डेय, श्री सुरेश राम, श्री केदार सिंह नेगी, श्री मानजी यादव, श्री इसरार खान सम्मानित हुये।
6. सत्र 2018–19 में पी–एच0डी0 प्रोग्राम में प्रवेश हेतु दिनांक– 24.08.2018 को 06 केन्द्रों पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।
7. 23 अगस्त को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में "पत्रकारिता एवं सामाजिक सरोकार" विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के निदेशक प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह ने बतौर वक्ता विद्यार्थियों तथा शिक्षकों को सम्बोधित किया।
8. विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भईया) भौतिकीय विज्ञान संस्थान के अंतर्गत एम0एस–सी0 फिजिक्स, के मेस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं एप्लाइड जियोलाजी में सत्र 2018–19 में प्रवेश हेतु आनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। अध्ययन अध्यापन कार्य सितम्बर माह से प्रारम्भ हुआ।
9. 29 अगस्त को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैज़ाबाद एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के संयुक्त

तत्वावधान में राजभवन लखनऊ के गांधी सभागार में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में माननीय कुलाधिपति ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 41 खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक से सम्मानित किया। इसके साथ ही 10 टीम प्रशिक्षक और टीम प्रबंधक भी सम्मानित हुए।

10. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाइब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 101107 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

11. अब तक विश्वविद्यालय के 7955 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये हैं।

सितम्बर, 2018

1. 07 सितम्बर को कार्यपरिषद की बैठक का आयोजन किया गया।

2. विश्वविद्यालय परिसर में बी0ए0एल0एल0बी0(आनर्स) पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम (इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम) सत्र 2018–19 में सीधे प्रवेश की प्रकिया प्रारम्भ की गयी।

3. 11 सितम्बर को प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल साइंसेज ऑफ स्टडी एण्ड रिसर्च के अन्तर्गत एम0एससी0 फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथमेटिक्स एवं एप्लाइड जियोलाजी में सत्र 2018–19 में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की गयी।

4. 05 सितम्बर को विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

5. 07 एवं 08 सितम्बर को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव, राज्य संपर्क अधिकारी डॉ0 अंशुमाली शर्मा, क्षेत्रीय निदेशक डॉ अशोक कुमार श्रोती एवं पूर्व राज्य संपर्क अधिकारी डॉ0 एस0 बी0 सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के विविध आयामों पर अपनी बात रखी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर जनपद के महाविद्यालयों के 200 से अधिक कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

6. 08 सितम्बर को विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के द्वारा संकाय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में ''उत्सव एवं प्रदूषण'' विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। बतौर वक्ता अंबेडकर महाविद्यालय दीक्षाभूमि, नागपुर की प्रो0 अर्चना मेश्राम ने कहा कि त्योहारों को खुशियों के लिए मनाना चाहिये। इन अवसरों पर प्रदूषण फैलाने से बचना चाहिये।

7. 10 सितम्बर को विश्वविद्यालय के संकाय भवन स्थित कांफ्रेंस हाल में ''सोशल मीडिया देश के युवाओं के लिए वरदान से ज्यादा अभिशाप साबित हो रहा है'' विषयक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया का युवाओं के व्यवहार, विचार, मनोरंजन, सामाजिक–पारिवारिक संबंधों पर पड़ने वाले प्रभावों के विविध आयामों पर अपनी बात रखी।

8. 11 सितम्बर को विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद के विश्व धर्म सम्मेलन शिकागो में दिए संबोधन की 125वीं वर्षगांठ पर जनसंचार विभाग में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इसके पूर्व सरस्वती सदन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय के विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद पर केंद्रित पुस्तक ''व्यक्तित्व का विकास'' वितरित की।

9. 14 सितम्बर को विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

10. 19 सितम्बर को विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के रोजगार क्षमता को मापने के लिए टेस्ट का आयोजन किया गया। इस टेस्ट का आयोजन एस्पायरिंग माइंड (एम कैट) एवं एन०पी०आई०यू० भारत सरकार के सौजन्य से टेकिप–3 प्रोग्राम के अंतर्गत किया गया।

11. 22 सितम्बर को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ की ओर से ''समसामयिक परिदृश्य में एकात्म मानववाद'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उ0प्र0 के माननीय उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षामंत्री प्रो0 दिनेश शर्मा विशिष्ट अतिथि माननीय नगर विकास राज्यमंत्री श्री गिरीशचंद्र यादव एवं विशिष्ट अतिथि अरुन्धती वशिष्ठ अनुसंधान पीठ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ0 चन्द्र प्रकाश सिंह ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के सभागार में संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में शोध पत्र प्रस्तुतीकरण और पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

12. 29 सितम्बर को विश्वविद्यालय के महंत अवैद्यनाथ

संगोष्ठी भवन में सर्जिकल स्ट्राइक डे के अवसर पर ''भारतीय सशस्त्र सेनाः संगठन एवं गतिविधियां'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं सहकारी पी.जी. कालेज, मिहरावां, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

13. 30 सितम्बर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं द्वारा जासोपुर गांव में ग्रामीण जागरूकता अभियान चलाया गया।
14. विश्वविद्यालय के विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में INFLIBNET द्वारा विकसित लाइब्रेरी साफ्टवेयर SOUL (Software for University Library) में अब तक 104000 किताबों के पंजीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।
15. अब तक विश्वविद्यालय के 8037 पी–एच.डी. शोध प्रबन्ध विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वेबसाइट ''शोध गंगा'' पर अपलोड किये गये हैं।

अक्टूबर, 2018

1. 01 अक्टूबर, 2018 को विश्वविद्यालय के संकाय भवन में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भाषण एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में अहिंसा, एकता, देश प्रेम, स्वच्छता एवं सद्भाव विषय पर 43 प्रतिभागियों ने रंगों के माध्यम से संदेश दिया। संकाय भवन के कान्फ्रेंस हॉल में 'कैसा हो भारत अपना' विषय पर भाषण प्रतियोगिता में 25 प्रतिभागियों ने अपने विचार रखे। अपना देश विश्वगुरु कैसे बने इसके लिए विद्यार्थियों ने मौलिक विचार रखे।
2. विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर 03 से 09 अक्टूबर, 2018 तक सायंकाल महंत अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में श्री राम कथा अमृत वर्षा एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

विश्वविद्यालय स्थापना सप्ताह

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुई सात दिवसीय राम कथा

विश्वविद्यालय के अवैद्यनाथ संगोष्ठी भवन में ०3 अक्टूबर से 09 अक्टूबर तक सात दिवसीय श्री राम कथा अमृत वर्षा का आयोजन हुआ। प्रख्यात कथा वाचक आचार्य शांतनु जी महाराज के राम कथा के माध्यम से लोगों में नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान का युग है और इस युग में जब तक किसी चीज का वैज्ञानिक आधार नहीं होता है कोई विश्वास नहीं करता। आज शरीर के मैल को धोने का बहुत साधन है लेकिन मन के मैल को धोने का वैज्ञानिकों ने कोई साधन नहीं खोजा। मन के मैल को धोने का एक मात्र साधन हरि कथा श्रवण है। इस सात दिवसीय राम कथा का श्रवण हजारों लोगों ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

विश्वविद्यालय स्थापना समारोह के अंतर्गत 5 से 8 अक्टूबर तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इलाहाबाद के कथक एवं भाव नृत्य कलाकार रवि सिंह एवं प्रेरणा तिवारी की प्रस्तुति 5 अक्टूबर को हुई। कार्यक्रम की शुरुआत रवि सिंह ने दुर्गा स्तुति से की, तो प्रेरणा तिवारी ने कथक के भाग तराना का परिचय कराया। इसके बाद रवि सिंह ने राधा तेरी, मेरा श्याम तू ... गीत पर जोरदार नृत्य की प्रस्तुति की। इस पर हाल तालियों से गूंज उठा।

6 अक्टूबर को अयोध्या के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित सत्यप्रकाश मिश्र, छतरपुर मध्य प्रदेश के मृदंग वादक पंडित अवधेश महाराज ने अपनी प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. राजाराम यादव के ठुमरी गायन ने सबको आनन्दित कर दिया। कुलपति ने कहा कि मृदंग भगवान शंकर के डमरू से निकला है।

7 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिलब्ध वायलिन वादिका पद्मभूषण डॉ. एन. राजम ने अपनी अनोखी प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी छत्र छाया में संगीत का संस्कार ले रही सुश्री रागिनी शंकर और तबले पर संगत बनारस घराने के प्रख्यात तबला वादक पंडित कुबेर नाथ मिश्रा ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने महात्मा गांधी के प्रिय भजन रघु पति राघव राजा राम और वैष्णव जन तो तेने कहिये को वायलिन के तारों से सुनाकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

उन्होंने कहा कि संगीत में वॉल्यूम वेरिएशन से भाव आता है। एक फ्रेज को अलग–अलग तरह से वायलिन के तारों को झंकृत कर सुनाया। संगीत में विराम महत्व को भी बताया।

8 अक्टूबर को प्रख्यात कथक कलाकार विशाल कृष्ण एवं काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राम शंकर की प्रस्तुतियां हुई। प्रख्यात कथक कलाकार विशाल कृष्णा ने कहा कि हम अपनी संस्कृति ,कला से दूर हो पश्चात संस्कृति से जुड़ रहे हैं। हमें अपनी खुद के सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने की जरुरत है। उन्होंने अर्चना सिंह, श्रीयाना कृष्ण और स्पेन की कलाकार नूरिया काबो के संग प्रस्तुतियां दीं।

3. 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को नमन किया गया तथा विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती

इसमें 486 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। एन आई आई टी में बी. टेक एवं एम.बी.ए की 10, अमेरिकन इंटरनेशनल इंडस्ट्री जनसंचार एवं एम.बी.ए के 9, कॉसमॉस एस्पायर फाउंडेशन द्वारा बी.टेक और एम.बी.ए के 8 इंटेक्स द्वारा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के 7, जय श्री पॉलीमर में मैकेनिकल के 10 सिलारिस इंफॉर्मेशन प्राइवेट लिमिटेड में बी.टेक. के 7 एवं न्यूट्रा लाइफ इंडिया में बी. फार्मा के चार विद्यार्थियों को जॉब का ऑफर दिया गया है। विश्वविद्यालय परिसर में आई कंपनियों ने दो लाख से लेकर 5 लाख तक का वार्षिक वेतन का प्रस्ताव विद्यार्थियों को दिया है। अब तक विभिन्न कंपनियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद् महाविद्यालयों के 800 विद्यार्थियों का चयन कर रोजगार प्रदान किया गया। इस दृष्टि से यह प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय है।

तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता व उन्नयन कार्यक्रम (टेकिप–III)

टेकिप योजना के अंतर्गत उमानाथ सिंह वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं जिससे संस्थान की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हो रही है।

प्रयोगशालाओं की स्थापना :– टेकिप से प्राप्त आर्थिक सहायता से संस्थान में विभिन्न विभागों में नए प्रयोगशालाओं की स्थापना एवं उपलब्ध प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण का कार्य हुआ है।

नवस्थापित प्रयोगशालाएं :–कंट्रोल लैब, इंस्ट्रूमेंटेशन लैब, पावर सिस्टम लैब

सुदृढ़ीकृत प्रयोगशालाएं :– भौतिकी, रसायन

सॉफ्टवेयर क्रय :– केडेन्स, लैबव्यू, जाइलिंग, ऍफ पी.जी.ए., रियल टाइम सिमुलेटर, क्वालनेट

इन प्रयोगशालाओं की सुविधा से विद्यार्थी उच्चस्तरीय अभियांत्रिकी शिक्षा ग्रहण कर पाने में समर्थ हैं। प्रयोगशाला हेतु द्विस्तरीय ग्रेनाइट टॉपटेबल (२०संख्या) मुहैया कराए गए हैं। शिक्षण विकास कार्यक्रम (ऍफ डी पी) के अंतर्गत विभिन्न विभागों के शिक्षिकों को आई.आई.टी, आई.आई.एम, अन्य उपलब्ध प्रतिष्ठित संस्थानों में भेजा गया जिससे वे नित नव शोध एवं नवाचार से जुड़ सके। एफडीपी में शिक्षक एवं तकनीकी कर्मचारियों को अवसर प्राप्त हुआ है।

इंडक्शन प्रोग्राम :– बी.टेक. प्रथम वर्ष हेतु इंडक्शन कार्यक्रम कराए गए। इसके अंतर्गत देश के प्रतिष्ठित विद्वानों का व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य रूप से पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी.सी. पतंजलि, सुश्री वंदना स्योरन, श्रीमती छाया सिंह, श्रीमती अनुराधा, श्री आर रामचंद्र रेड्डी, प्रोफेसर ए. पी. नटराजन, प्रोफेसर कल्याण चक्रवर्ती, अनुराग सिंह, प्रोफेसर प्रवीण प्रकाश, श्रीमती निहारिका श्रीवास्तव रहें।

इंडस्ट्री भ्रमण :– विद्यार्थियों ने सतहरिया इंडस्ट्रियल स्टेट का भ्रमण 14–23 अगस्त 2018 तक किया। जिसमें अमित आयल इंडस्ट्री लिमिटेड, पेस्ट कंट्रोल इंडस्ट्री, आर.ए.एस. वायरनेट इंडस्ट्री, सोयाबीन आर.ओ.वाटर अन्य कम्पनियों का भ्रमण किया। सिटी भ्रमण में समस्त छात्र–छात्राओं ने वाराणसी, रामनगर, सारनाथ का भ्रमण किया। जौनपुर के स्थानीय ऐतिहासिक स्थानों का भी भ्रमण किया।

ट्विनिंग संस्था से जुड़े कार्यक्रम मेंटर संस्था पी.ई.यस. कालेज ऑफ इंजीनियरिंग में हुए जिसमें विद्यार्थियों को विशिष्ट विषयों पर ट्रेनिंग दी गई। शिक्षकों हेतु भी ट्रेनिंग संचालित हुई थी जिसमें विभिन्न विभागों के शिक्षकों नें प्रतिभाग किया। ओ.बी.ई./एक्रेडिटेशन विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई। विशिष्ट विशेषज्ञों का व्याख्यान पूरे वर्ष आयोजित हुआ। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दो दिवसीय प्रतियोगिता, प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन हुआ। अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक प्रो. लक्ष्मी नारायण हाजरा, पी. के. मिश्र एवं प्रो. वी.ए. तभाने का व्याख्यान हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग ने वर्तमान सत्र–2018–19 में कई प्रतिमान स्थापित किये हैं। जिसके कारण विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास में पहली बार प्रदेश शासन द्वारा दिनांक 25 जुलाई 2018 को प्रथम आवंटन सूची में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कुल 344 महाविद्यालयों में 566 इकाइयों के अर्न्तगत कुल 54000 छात्र संख्या का आवंटन किया गया है एवं लगभग 7000 छात्र संख्या (70 इकाई) के आवंटन हेतु शासन स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। स्वंय सेवकों हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना का चिंतन महात्मा गांधी व स्वामी विवेकानन्द के विचारों से अनुप्राणित है। स्थानीय, प्रादेशिक एवं देश तथा विदेश में भी विश्वविद्यालय को 'बापू बाजार' से विशिष्ट पहचान मिली है। अभी तक विभिन्न जनपदों में कुल 44 बापू बाजार आयोजित किये जा चुके हैं जिसके माध्यम से गरीबों को ससम्मान सहायता के रुप में आवश्यक वस्त्र, कम्बल, खिलौने, जूते, चप्पल आदि प्रदान किये गये। बापू बाजार से अर्जित धनराशि से बापू स्वाभिमान कोष में अब तक रु0 2,19,650.00 जमा है। दिनांक 16 जुलाई से 22 जुलाई 2018 के मध्य भूजल संरक्षण हेतु विभिन्न इकाइयों द्वारा 'भूजल सप्ताह' आयोजित किया गया। दिनांक 15 सितंबर से 02 अक्टूबर 2018 तक स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। पर्यावरण को हरा–भरा बनाने के लिये विश्वविद्यालय द्वारा संचालित "एक छात्र एक पेड़" योजना के माध्यम से पौधरोपण पर बल दिया जा रहा है। जिसे राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने गति प्रदान की है। उत्तर प्रदेश शासन के वृहद पौधरोपण अभियान के कम में 15 अगस्त 2018 को जनपद जौनपुर को शासन द्वारा दिये गये लक्ष्य 10623 पौधों के सापेक्ष 13115 पौधों का रोपण किया गया है। आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर एवं इलाहाबाद के महाविद्यालयों के स्वंयसेवकों द्वारा 60000 से अधिक पौधे 30 सितंबर 2018 तक परिसर एवं चयनित गॉवों में रोपे गये। 09 सितंबर 2018 को कुलपति सभागार में माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति में राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों के सम्यक संचालन हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। साथ ही साथ दिनांक 08 एवं 09 सितंबर 2018 को दो दिवसीय अंशकालिक कार्यक्रम अधिकारियों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 266 कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षण लेने का अवसर प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, स्वच्छता पखवाड़ा, स्वच्छता ही सेवा एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये।

इस सत्र में भारत सरकार के सहयोग से अशंकालिक कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित किये जाने हेतु विश्वविद्यालय में ई.टी.आई. (Empanelled Training Institute) केन्द्र बनाने की भी पहल की जा रही है।

भारत सरकार के कार्यक्रम प्री.आर.डी. परेड शिविर में 27 सितम्बर 2018 को एक दिवसीय चयन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें छः स्वयंसेवक तथा छः स्वयंसेविकाओं सहित 12 स्वयंसेवको का चयन किया गया। 12 स्वयंसेवकों में से वरीयता क्रम में 03 स्वंय सेवक एवं 03 स्वंयसेविकाओं को निफ्ट, रांची झारखण्ड में दिनांक 03 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2018 तक आयोजित शिविर में प्रतिभाग हेतु 02 अक्टूबर को माननीय कुलपति प्रो. डॉ0 राजाराम यादव द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। पूरे प्रदेश से चयनित 54 स्वंयसेवकों (27 छात्र एवं 27 छात्राएं) के दल को वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अजय कुमार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मो0 हसन पी0 जी0 कालेज को क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार लखनऊ द्वारा टीम लीडर नियुक्त किया गया जो विश्वविद्यालय के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस वर्ष विश्वविद्यालय के दो छात्रों का चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विदेश भ्रमण हेतु सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अर्न्तगत किया गया। इसमें एक स्वंयसेवक श्री सत्यम सुन्दरम मौर्य, आर.एस.के.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर को चीन एवं एक स्वंयसेविका शरियत फात्मा, अख्तर हसन शिया डिग्री कालेज, जौनपुर को वियतनाम भ्रमण करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस सत्र में विभिन्न महाविद्यालयों के दस चयनित छात्रों जिसमें 05 छात्र एवं 05 छात्राओं को 12 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2018 तक आयोजित होने वाले साहसिक शिविर में भाग लेने हेतु अटल बिहारी वाजपेयी इन्स्टीटयूट आफ माउंटेनियरिंग एवं अलाइड स्पोर्टस (ABVIMAS) वाटर स्पोर्ट्स सेन्टर, पोंग डैम, हिमाचल प्रदेश के लिये वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डा. विनय कुमार वर्मा के नेतृत्व में माननीय कुलपति जी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर दिनांक 09 अक्टूबर 2018 को रवाना किया गया। इसके अतिरिक्त **एक भारत श्रेष्ठ भारत** सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के अर्न्तगत 08 छात्रों (04 स्वंयसेवक एवं 04 स्वंयसेविका) का दल मेघालय एवं अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संतोष कुमार पाण्डेय, आर. एस.के.डी.पी.जी. कालेज, जौनपुर के नेतृत्व में गया। केरल में आई बाढ़ की विभीषिका में विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों द्वारा 12 अक्टूबर 2018 तक 36 महाविद्यालयों से Chief Minister Distress Relief Fund Thiruvananthapuram, Keralads नाम से बने रुपये 2,26,568.00 के डिमांड ड्राफ्ट 13 अक्टूबर 2018 को डॉ. अंशुमालि शर्मा, विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, उच्च शिक्षा (रा.से.यो.को.), उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ को उपलब्ध करा दिया गया है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी द्वारा **मन की बात** कार्यक्रम के अर्न्तगत 18 से 25 वर्ष के युवाओं के सन्दर्भ में चर्चा करते हुए भारत के प्रत्येक जनपद में एक कृत्रिम संसद (Mock Parliament) के आयोजन हेतु जनपदवार जौनपुर से डॉ. राजश्री सिंह सोलंकी, तिलकधारी महिला महाविद्यालय, जौनपुर, डॉ. निशा कुमारी, अग्रसेन महिला महाविद्यालय, आजमगढ़, डॉ. अमित यादव, राजकीय महिला महाविद्यालय, गाजीपुर एवं डॉ. जोहरा जमाल, राजीव गांधी महिला डिग्री कालेज, परदहां, मऊ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है जो अपने–अपने जिलों में छात्र संसद का आयोजन करते हुए प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को जिला स्तर पर चयनित कर राज्य स्तर पर होने वाले छात्र संसद में प्रतिभाग करने हेतु भेजेगें।

विश्वविद्यालय में रोवरिंग/रेंजरिंग

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर रोवरिंग/रेंजरिंग के क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणी विश्वविद्यालय है। पांच जनपदों के विभिन्न महाविद्यालयों में प्रशिक्षित प्राध्यापक कार्यरत हैं। जो अपने महाविद्यालय में रोवर्स/रेंजर्स की गतिविधियां कराते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा रोवर्स/रेंजर्स गतिविधियों को संचालित करने के लिए एक विश्वविद्यालय संयोजक, और प्रत्येक जनपद में एक–एक जनपदीय संयोजक नियुक्त किया गया है। रोवरिंग/रेंजरिंग के डॉ0 जगदेव विश्वविद्यालय संयोजक हैं। डॉ. मनोज कुमार तिवारी, जनपद जौनपुर/इलाहाबाद, डॉ0 शशि कुमार मिश्रा, आजमगढ़, डॉ0 प्रतिमा सिंह, गाजीपुर, डॉ. घनश्याम दूबे, मऊ को जनपदीय संयोजक का दायित्व दिया गया है। रोवर्स/रेंजर्स का मोटो –सेवा करो है। विश्वविद्यालय द्वारा अप्रशिक्षित रोवर्स/रेंजर्स लीडरों को प्रशिक्षण देने के साथ–साथ प्रत्येक वर्ष रोवर्स/रेंजर्स छात्र– छात्राओं को प्रवेश, निपुर्ण एवं राज्यपाल प्रमाण पत्र हेतु शिविर लगाकर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्ष 2018 में जनपदीय रोवर्स/रेंजर्स समागम जौनपुर, आजमगढ़, मऊ तथा गाजीपुर में सम्पन्न हुआ जिसमें मार्च पास्ट एवं वर्दी, ध्वज शिष्टाचार, कलर पार्टी, पासिंग आउट परेड, प्राथमिक चिकित्सा, क्विज, पोस्टर, निबंध प्रतियोगिता, यूथ फोरम, किम्स गेम, क्रू टीम इन काउंसिल, नाट्य प्रतियोगिता इको रेस्टोरेशन, झाकी, रोल प्ले, स्किल–ओ–रामा, ऑब्जर्वेशन, लोकगीत–लोकनृत्य, नाइट स्काउटिंग इत्यादि प्रतियोगितायें आयोजित की गई। अन्तर महाविद्यालयीय रोवर्स/रेंजर्स समागम 9–10 फरवरी 2018 को स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में आयोजित हुआ। रोवर्स/रेंजर्स के चारो जनपदों से कुल चयनित 18 टीमें प्रतिभाग की। स्नातकोत्तर महाविद्यालय की रोवर्स/रेंजर्स टीम प्रथम विजेता रही। 24, बुन्देलखण्ड महाविद्यालय झाँसी में 25 एवं 26 फरवरी 2018 प्रादेशिक रोवर्स/रेंजर्स समागम में प्रदेश स्तर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर की रोवर्स/रेंजर्स टीम प्रथम विजेता घोषित हुई।

रोवर्स/रेजर्स की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है।

10 अगस्त 2018 को रोवर्स/रेंजर्स के छात्र–छात्राओं द्वारा रोवर्स/रेंजर्स परिसर में पौधरोपण किया गया जिसमें कुल 200 पौधे लगाये गये। इसके अतिरिक्त प्रत्येक जनपदों के रोवर्स/रेंजर्स इकाईयों द्वारा अब तक कुल 8000 वृक्ष लगाये जा चुके हैं। हाइक कार्यक्रम के अन्तर्गत जौनपुर, गाजीपुर तथा मऊ के रोवर्स/रेंजर्स ने मैहर, चित्रकूट तथा सारनाथ का भ्रमण किया।

विश्वविद्यालय का आधिकारिक ब्लॉग पूरब बानी

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का आधिकारिक ब्लॉग पूरब बानी है। इसकी शुरुआत 25 मई 2011 को की गई थी। ब्लॉग के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियों को वैश्विक मंच पर पहुंचाया गया है। यह ब्लॉग विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों से लोगों से जुड़े लोगों के बीच लोक प्रिय है। जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. मनोज मिश्र एवं डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर द्वारा इसे निर्मित कर संचालित किया जा रहा है। ब्लॉग की पाठक संख्या 235,811 है. जिसमें मुख्य रूप से भारत, संयुक्त राज्य, रूस, जर्मनी, यूक्रेन, इंडोनेशिया, फ्रांस आदि देशों के पाठक शामिल हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ की स्थापना वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में की गई है।इसके लिए शासन द्वारा विश्वविद्यालय को पचास लाख रुपए की धनराशि उपलब्ध कराई गयी। इस धनराशि से शोधपीठ की गतिविधियॉ संचालित होंगी। 22 सितंबर 2018 को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि माननीय प्रो0 दिनेश शर्मा, उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार बतौर विशिष्ट अतिथि अरुंधति वशिष्ठ अनुसंधान पीठ के डॉ. चन्द्र प्रकाश सिंह एवं नगर विकास राज्य मंत्री श्री गिरीश चन्द्र यादव ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने की। माननीय उपमुख्यमंत्री जी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की मूर्ति का अनावरण किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ द्वारा उनके व्यक्तित्व को ध्यान में रखते हुए सभी विषयों के शोध के संभावनाओं पर विशेष ध्यान दिए जाने का प्रयास किया जाएगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी से संबंधित पुस्तकें भी उपलब्ध होंगी।

अनुसंधान उन्नयन हेतु इन्स्टीट्यूशनल पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, द्वारा अनुसंधान के उन्नयन हेतु पहली बार विश्वविद्यालय पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप की व्यवस्था की गयी है यह पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जो अपने स्रोतों से पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप प्रदान कर रहा है। यह फेलोशिप परिसर में संचालित विषयों में तीन वर्ष के लिए प्रदान की जायेगी। पहले दो वर्षो तक शोधार्थी को अड़तीस हजार आठ सौ रूपये प्रतिमाह एवं तीसरे वर्ष से छियालिस हजार पॉच सौ रूपये प्रतिमाह प्रदान की जायेगी साथ ही दिव्यांग जनों को दो हजार रूपये अतिरिक्त दिया जायेगा।

319 शोधार्थी नेट– जेआरएफ

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC - NET

विश्वविद्यालय में डाक्टोरल डिग्री हेतु विभिन्न विषयों में कुल 1500 शोध छात्र एवं छात्रायें पंजीकृत है जिसमें वर्तमान में कुल 319 शोधार्थी NET-JRF उत्तीर्ण है जो वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में पंजीकृत शोधार्थियों का 21.2 प्रतिशत है। इस मद में पांच वर्षों के लिये विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कुल रूपया 52,8902000.00 (रू0 52 करोड़ नवासी लाख दो हजार मात्र) अनुदान दिया जायेगा जो कि विश्वविद्यालय के लिये बहुत बड़ी उपलब्धि है।

प्रदेश में सर्वप्रथम वार्षिक परीक्षाफल घोषित

विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2017–18 की वार्षिक परीक्षाओं का परीक्षाफल 30 मई 2018 को घोषित किया। राज्य विश्वविद्यालयों में सबसे पहले परीक्षाफल घोषित करने का श्रेय पूर्वांचल विश्वविद्यालय को मिला। मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय परिसर में पॉच केन्द्र बनाये गये थे। इन केन्द्रों पर 64 विषयों की 2891088 उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकित हुई। विश्वविद्यालय पारदर्शी मूल्यांकन एवं विद्यार्थियों के हित में सदैव समय से परीक्षाफल घोषित करने के लिए तत्पर है।

शोध गंगा पर विश्वविद्यालय का प्रदेश में पहला स्थान

Shodh ganga
a reservoir of Indian theses

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय यूजीसी के पोर्टल शोधगंगा पर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय में प्रथम और देश में तीसरे स्थान पर है। विश्वविद्यालय के सभी शोध ग्रंथ अब ऑनलाइन पढ़े जा सकते हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्मित शोधगंगा एक ऐसा प्लेटफार्म है जिस पर शोध ग्रंथों को अपलोड किया जाता है। इस पर अपलोड होने के बाद इंटरनेट के माध्यम से कोई भी शोध ग्रंथों को पढ़ सकता है। विश्वविद्यालय द्वारा शोध ग्रंथों को अपलोड करने का कार्य 2016 से प्रारंभ हुआ। इस कार्य का सफलतापूर्वक संचालन शोधगंगा के विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ. विद्युतमल द्वारा किया जा रहा है। विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा पुरानी थिसीस को स्कैनकर डिजिटल रूप प्रदान कर उसे शोधगंगा की वेबसाइट पर पूरी सूचना के साथ अपलोड किया गया है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की 8037 पी–एच0डी0 थिसिस अब तक शोधगंगा पर अपलोड हो चुकी है।

खिलाड़ी सम्मान समारोह
मा. राज्यपाल के हाथों 41 खिलाड़ी, 10 टीम कोच, प्रबंधक हुए सम्मानित

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैज़ाबाद एवं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में 29 अगस्त 2018 को राजभवन लखनऊ के गांधी सभागार में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश राम नाईक ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 41खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक से सम्मानित किया। इसके साथ ही 10 टीम प्रशिक्षक और टीम प्रबंधक भी सम्मानित हुए। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को आज लगातार पाँचवी बार राजभवन में सम्मानित किया गया है।

इन्हें मिला सम्मान

सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट महिला में विश्वविद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसमें पूनम खेमनार,ज्योति गोस्वामी,शेफाली साहू, कौम्या तिवारी, पूजा निमवात, बबिता मीना, पूनम मौर्या, पंकुल तोमर, आरजू सिंह, साधना यादव, चांदनी प्रजापति, सरिता यादव, शानवी अनिल भावना, प्रिया यादव, अंजली चौहान शामिल है जिन्हें मा. राज्यपाल ने स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। टीम प्रबन्धक अशोक कुमार सिंह, भानू प्रताप शर्मा, टीम कोच, गुलाब निषाद, सहायक टीम कोच सम्मानित हुए।

अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता हॉकी पुरुष में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर टीम के खिलाड़ी गुरमीत सिंह, अनिल कमार बिन्द्रा, राज कुमार पाल, मनीष कुमार, दीपक सिंह, शुभम सिंह, देवब्रत सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, ओम प्रकाश पाल ,रामराज राम, शिवानन्द मौर्य, आदित्य यादव, मुकेश गुप्ता, सिद्धार्थ सिंह, कमलेश यादव, अंकित नाथ, प्रभाकर सिंह, अमित राजभर एवं रजनीश कुमार सिंह, टीम प्रबन्धक, इन्द्रदेव, टीम कोच, डॉ0 नागेन्द्र पाठक, सहायक टीम कोच को सम्मानित किया गया ।

अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय भारोत्तोलन (पु0/म0) प्रतियोगिता में गौरी पाण्डेय को प्रथम, राव बिलाल को द्वितीय एव दीपक यादव को तृतीय स्थान मिलने पर सम्मानित किया जायेगा। इनके टीम प्रबंधक डॉ. राजेश सिंह, डॉ. संजय राय बतौर टीम कोच सम्मानित हुए। अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय वुशू पुरुष में विनीत कुमार यादव को द्वितीय, धर्मेन्द्र कुमार यादव को तृतीय, शैलेन्द्र कुमार यादव को तृतीय, सुशील यादव को तृतीय स्थान पाने पर सम्मानित किया गया। इनके टीम प्रबन्धक मोहन चन्द्र पाण्डेय व शकील अहमद टीम कोच भी सम्मानित हुए।

सिविल सर्विसेज की नि:शुल्क कोचिंग

विश्वविद्यालय परिसर स्थित एनएसएस भवन में 12 मार्च, 2018 से नि:शुल्क सिविल सर्विसेज कोचिंग का संचालन मा. कुलपति जी की दूरगामी सोच व छात्र–कल्याण की भावना के दृष्टिगत एवं उनके निर्देशानुसार समन्वयक, डॉ. मनराज यादव की देख–रेख में सफलतापूर्वक हो रहा है। कोचिंग में 100 छात्र–छात्राओं का रजिस्ट्रेशन/प्रवेश हुआ है। कोचिंग के 35 छात्र–छात्रायें पीसीएस प्री की परीक्षा में सम्मिलित हो रहे है। परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुये छात्र–छात्राओं को उच्चकोटि की तैयारी कराई जा रही है। विषय–विशेषज्ञों द्वारा विषयों के निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विस्तारपूर्वक व्याख्यान आयोजित किया जाता है। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के आर्थिक रूप से पिछड़े एवं गरीब छात्र–छात्राओं को रोजगार के मुख्य धारा में लाने हेतु नि:शुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान कर विश्वविद्यालय ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। गरीब छात्र एवं छात्रायें इस बात को लेकर आशान्वित व अत्यन्त हर्षित हैं कि विश्वविद्यालय की इस अद्वितीय एवं अनूठी पहल से आने वाले दिनों में हम सफलता के नये आयाम को प्राप्त कर सकेंगे साथ ही साथ लक्ष्य की प्राप्ति में आर्थिक समस्यायें बाधा नहीं डाल पायेंगी।

प्रेरणा नि:शुल्क कोचिंग– समाज सेवा की एक अनूठी पहल

ग्रामीण एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए 4 फरवरी 2014 को प्रेरणा नि:शुल्क कोचिंग प्रारंभ की गई। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के पड़ोसी गाँव देवकली के बच्चों को नि:शुल्क कोचिंग प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारना है। यह उन सभी बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है। इन कक्षाओं की शुरूआत डॉ० संतोष कुमार, डॉ० अमरेन्द्र कुमार सिंह, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. बी. बी. तिवारी एवं डॉ. राज कुमार के निर्देशन में छात्र विशाल सिंह एवं अभिनव नागर की टीम द्वारा किया गया। प्रतिदिन शाम को 4.30 बजे से 6.30 बजे तक इंजीनियरिंग संकाय के छात्र–छात्राएं देवकली गाँव के पंचायत भवन में "प्रेरणा" नाम की नि:शुल्क कोचिंग चला रहे हैं। वह अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरुरतमंद बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं। प्रेरणा कोचिंग की शुरूआत 30 बच्चों से हुई थी। वर्ष 2015 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 150, वर्ष 2016 में 225 वर्तमान वर्ष में इस कोचिंग से 243 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

कोचिंग के प्रभारी छोटेलाल सोनी एवं प्रशांत सिंह है। इसमें प्रशांत गौतम, अंकित यादव, संतोश, ऋषभ, शुभम गुप्ता, स्वतंत्र यादव, विवेक, राजू यादव, सुप्रिया, अजीत, पवन, दिव्यप्रकाश, अभिनव, परमेश्वर, अतहर, उत्तम, अभिषेक, गुलशन विश्वकर्मा,- विश्वास यादव, प्रिन्स, अजय, विजय, सुरेश, वागेस, बंनु, सफीना, नीशा, कनक, आकांक्षा, सत्या आदि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ग्रामीण बच्चों को पढ़ा रहे हैं।

मशरुम प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र (MTRC)

मशरूम प्रशिक्षण एवं शोध केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में की गयी है, जिसका प्रमुख उद्देश्य मशरुम की खेती के प्रति किसानों एवं छात्रों को जागरूक करना, प्रशिक्षित करना तथा मशरुम से सम्बंधित शोध करना है। इस कार्य हेतु केंद्र समय–समय पर मशरुम की खेती प्रशिक्षण एवं नि:शुल्क बीज किसानों को उपलब्ध कराया है। केंद्र को भारत सरकार के विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (DST) एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), नयी दिल्ली द्वारा शोध हेतु शोध परियोजनाएं भी वित्तपोषित हो चुकी है। शोध केंद्र के वर्तमान समन्वयक प्रोफेसर राम नारायण के शोध निर्देशन में मशरुम के उत्पादन में बिना किसी नुकसान के उत्पादन एवं गुणवत्ता में वृद्धि करने वाले दो नए बैक्टीरिया (*Bacillus vallismortis, Azospirillum brasilense*) खोजे हैं, जो कि शोध केंद्र की एक बड़ी उपलब्धि है। उक्त दोनों बैक्टीरिया का डाटा नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इनफार्मेशन (NCBI) यूएसए गवर्नमेंट की वेबसाइट के डाटा बैंक में उपलब्ध है। मशरुम केंद्र के विगत वर्षो में कुछ अन्य नए लाभकारी बैक्टीरिया भी खोजे हैं, जिनके नामकरण पर शोधकार्य चल रहा है। साथ में केंद्र ने कई शोधपत्र भी विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित जर्नलों में भी प्रकाशित हुये हैं। बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शोधार्थी सिंपल कुमारी, रोशन लाल गौतम एवं श्वेता सिंह मशरुम उत्पादन में अपना सहयोग दे रहे हैं।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान

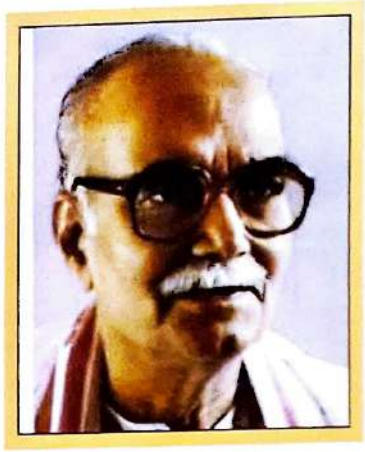

प्रख्यात शिक्षाविद, वैज्ञानिक, समाजसेवी, समरसता व वैचारिक सामंजस्य के पुरोधा प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) का जन्म 29 जनवरी 1922 को शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। आप इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 1939 से 1943 तक विद्यार्थी रहे। रज्जू भइया को एम0 एस0 सी0 प्रायोगिक परीक्षा के दौरान नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी. वी. रमन ने उनके असाधारण प्रतिभा से प्रभावित होकर परमाणु भौतिकी में उन्नत अनुसंधान के लिए उन्हें बैंगलोर स्थित अपनी प्रयोगशाला में शोध कार्य के लिए आमंत्रित किया, किन्तु प्रो. के. एस. कृष्णन की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ही कार्य करने का निश्चय किया। तत्पश्चात् 1943 से 1967 तक भौतिकी विभाग में पहले प्रवक्ता नियुक्त हुए, फिर प्राध्यापक और अन्त में विभागाध्यक्ष रहे। भौतिक शास्त्र जैसे गूढ़ विषय पर असामान्य अधिकार रखने के साथ–साथ अत्यन्त सरल व रोचक अध्यापन शैली और अपने शिष्यों के प्रति स्नेह भावना के कारण रज्जू भइया इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सर्वाधिक लोकप्रिय और सफल प्राध्यापक थे। वरिष्ठता और योग्यता के कारण उन्हें कई वर्षों तक विभाग के अध्यक्ष–पद का दायित्व भी प्रोफेसर के साथ–साथ संभालना पड़ा। किन्तु यह सब करते हुए भी वे समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह पूरी तरह करते रहे। प्रो. राजेन्द्र सिंह कालांतर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के चौथे सर संघ चालक बने, जो विश्व में सभी जगह रज्जू भइया के नाम से विख्यात हुए। विश्वविद्यालय मे अध्यापक रहकर भी उन्होंने अपने लिये धनार्जन नहीं किया। मितव्ययता का वे अपूर्व उदाहरण थे एवं अपने ऊपर कम से कम खर्च करते थे। रज्जू भइया ने अपने वेतन की एक–एक पाई एवं सैकड़ो करोड़ की पैतृक संपत्ति समाज को समर्पित कर दिया था।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) के द्वारा विज्ञान, शिक्षा व सामाज सेवा में किये गए अतुलनीय योगदान को आगे बढ़ाते हुए उनकी स्मृति में, माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक जी के आशीर्वाद, यशस्वी मुख्यमंत्री पूज्य महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी, माननीय उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रो. दिनेश शर्मा जी एवं उत्तर प्रदेश सरकार के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजय अग्रवाल (आई. ए. एस.), श्री संजीव मित्तल (आई. ए. एस.), श्री राजेंद्र कुमार तिवारी (आई. ए. एस.) एवं श्रीमती मधु जोशी (विशेष सचिव, उच्चशिक्षा) के सहयोग से, पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान की स्थापना सत्र 2018–19 में की गई है।

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के अंतर्गत कुल चार विभाग एवं दो शोध केंद्र स्थापित किये गए हैं, जिनमें परास्नातक व शोध के पाठयक्रम संचालित हो रहे हैं । संस्थान में शोध व अनुसन्धान के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं व उत्कृष्ट प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही है। इस संस्थान में पदार्थ विज्ञान व नैनो साइंस में अनुसन्धान हेतु UV - Vis., FT-IR, XRD, SEM-EDS, HR-TEM, APS-100, TPS-500 इत्यादि वैज्ञानिक उपकरण स्थापित किये जा रहे हैं।

क्रम सं.	संचालित विभाग '	संचालित पाठ्यक्रम
1.	भौतिकी	M.Sc.& Ph.D. (Physics)
2.	रसायन विज्ञान	M.Sc. & Ph.D. (Chemistry)
3.	गणित	M.Sc.& Ph.D. (Mathematics)
4.	भू एवं ग्रहीय विज्ञान	M.Sc.& Ph.D. (Applied Geology)

इन सभी चारों विभागों में M.Sc. की 60–60 सीटें निर्धारित की गयी हैं ।

शोध केंद्र

नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र

वैकल्पिक ऊर्जा अनुसन्धान केंद्र

विश्वविद्यालय में आमंत्रित वाह्य विशेषज्ञ–2018

- प्रो0 कृष्ण मिश्रा, एप्लाइड साइंसेज विभाग, आईआईआईटी, इलाहाबाद।
- प्रो0 ए0 पी0 नटराजन, हैदराबाद।
- प्रो0 एस0 के0 द्विवेदी, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 एच0 एस0 शुक्ला, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो0 एल0 एन0 हजरा, जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता।
- प्रो0 बेचन शर्मा, बायोकेमिस्ट्री विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 के वी गंगाधरन, सुरथकल।
- प्रो0 कल्याण चक्रवर्ती, हैदराबाद।
- प्रो0 हरि प्रकाश, इलाहाबाद।
- प्रो0 पी0 सी0 पतंजलि, नई दिल्ली।
- प्रो0 पी0के0 मिश्रा, सी0एस, बीएचयू, वाराणसी ।
- प्रो0 पारुल, वाईएमसीए, फरीदाबाद।
- प्रो0 ज्ञानेश्वर चौबे, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो0 सी0 के0 द्विवेदी, इलाहाबाद।
- प्रो0 सत्य सिंह, कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग, एमजीके विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो0 डी0 के0 यादव, विभाग सीएसई, एमएनएनआईटी, इलाहाबाद।
- प्रो0 देव नाथ, मंड्या।
- प्रो0 वी0 ए0 तभाने, पुणे।
- प्रो0 टी0 सोम, आईआईटी बीएचयू, वाराणसी।
- प्रो0 आई0 रामानुजन रेड्डी, हैदराबाद।
- प्रो0 आर0 के0 सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।
- प्रो0 अनुराधा धारा, हैदराबाद।
- प्रो0 ए0 के0 अवस्थी, हरी सिंह गौर वि0 वि0 सागर म0 प्र0।
- प्रो0 ए0 पी0 ओझा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 एम0 आई कुरेशी, अ0प्रा0, जामिया मिलिया इस्लामिया वि0वि0, नई दिल्ली।
- प्रो0 एस0 के0 शर्मा, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, जयपुर,राजस्थान।
- प्रो0 एस0 डी0 कौशिक, एम0एच0 आई0जी0–28,स्वर्ण जयन्ती, नगर रामघाट रोड,अलीगढ।
- प्रो0 एन0 बी0 सिंह, 283 सेक्टर–1,आवास विकास कल्याणपुर,कानपुर।
- प्रो0 एल0 एम0 जोशी, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल।
- प्रो0 यू0 एन0 सिंह, अ0प्रा0, मगध वि0वि0 बोध गया, बिहार।
- प्रो0 इच्छाराम द्विवेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
- प्रो0 कौशल किशोर श्रीवास्तव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 के0 के0 कथुरिया, अ0 प्रा0, 905 अर्जुन अपार्टमेंट द्वारिका, नई दिल्ली।
- प्रो0 मधु त्रिपाठी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 विनीता शुक्ला, एम0 डी0 विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा।
- प्रो0 निशि पाण्डेय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 हरिनारायण दूबे, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।
- प्रो0 हुकुम सिंह, अ0प्रा0, ए/3,मनोज बिहार, इन्द्रापुरम, गाजियाबाद।
- प्रो0 रमेश कुमार द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो0 राकेश चन्द्र नौटियाल, अ0प्रा0,बी0भवन 176 आराघर, देहरादून, उत्तराखण्ड।
- प्रो0 राम सुमेर यादव, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 सी0 एम0 अग्रवाल, कुमाऊं विश्वविद्यालय, अल्मोडा, उत्तराखंड।
- प्रो0 जे0 एन0 पाल, अ0प्रा0,इलाहाबाद विश्वविद्यालय,इलाहाबाद।
- प्रो0 नागेन्द्र कुमार, आई0आई0टी0, रुढ़की।
- प्रो0 नसीम अहमद, अ0प्रा0, अ0प्रा0,बी0 एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 आर0 एन0 खरवार, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 आर0 के0 सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 आर0 पी0 पाठक, श्री लाल बहादुर शास्त्रीय राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठम्, नई दिल्ली।
- प्रो0 ओमकार नाथ उपाध्याय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 गुंजन सुशील, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 एन0 बी0 सिंह, निदेशक, अनुसंधान एण्ड तकनीकी विकास सेन्टर, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा।
- प्रो0 ए0 के0 वर्मा, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा।
- प्रो0 एम0 मुजममिल, पूर्व कुलगुरू, डॉ बीआर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा और महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली।
- प्रो0 एस0 के0 यादव, पूर्व डीन, एनसीईआरटी, नई दिल्ली।
- प्रो0 एस0 के0 द्विवेदी, वी0वी0ए0यू0 लखनऊ।
- प्रो0 एस0 जेड0 एच0 जाफरी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- प्रो0 एच0 पी0 माथुर, प्रबंधन अध्ययन संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो0 एल0 आर0 सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

- प्रो0 धनेश तिवारी, बी0 एच0 यू0, वाराणसी।
- प्रो0 योगेश्वर तिवारी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 योगेन्द्र प्रताप सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 घनश्याम, बी0आई0टी0, सिंदरी, धनबाद (झारखण्ड)।
- प्रो0 शाह आलम, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- प्रो0 बी0 एन0 सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 बी0 बी0 मलिक, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, रायबरेली रोड, लखनऊ।
- प्रो0 बी0 के0 श्रीवास्तव, श्री हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, म0प्र0।
- प्रो0 बन्दना पाण्डेय, प्रेरणा जनसंचार एव शोध संस्थान, नोएडा।
- प्रो0 कृष्ण मिश्र, आई0 आई0 टी0 इलाहाबाद।
- प्रो0 कविता शाह, सतत विकास संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो0 कीर्ति पाण्डेय, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो0 काली चरण स्नेही, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 के0 के0 सिंह, अन्तराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र।
- प्रो0 के0के0 अग्रवाल, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो0 मीरा दीक्षित, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 मुक्तारानी रस्तोगी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 मनोरमा सिन्हा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 त्रिभुवन नाथ शुक्ल, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, म0 प्र0।
- प्रो0 कीर्ति सिंह पूर्व कुलगुरू, नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय, फैजाबाद
- प्रो0 किरन सिंघल, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 पिनाकी दास गुप्ता, भारती प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली।
- प्रो0 दिनेश कुमार यादव, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो0 विनोद कुमार सिंह, बी0 एच0 यू0, वाराणसी।
- प्रो0 निलिमा शाह, श्री अग्रसेन कन्या पी0 जी0 कालेज, वाराणसी।
- प्रो0 हौसिला प्रसाद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाती विश्वविद्यालय, अमरकंटक, म0 प्र0।
- प्रो0 भरत सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 परविज तालिब, डीन, प्रबंधन संकाय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- प्रो0 प्रशान्त अग्रवाल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 प्रेमराज, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 श्रद्धानन्द, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो0 राम बिलास, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो0 राम लखन सिंह, बायोकेमिस्ट्री विभाग, आरएमएल अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- प्रो0 राजीव कुमार, सीएसई विभाग, जेएनयू, दिल्ली।
- प्रो0 राजीव गौर,माइक्रोबायोलॉजी विभाग, आरएमएल अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद,।
- प्रो0 राजीव गौर, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, आरएमएल अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- प्रो0 राजेन्द्र कुमार सिंह, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 संजय गुप्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 सी0 के0 द्विवेदी, इलाहाबादविश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 सी0 पी0 सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 सरोज गुप्ता, महात्मा गॉधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट सतना।
- प्रो0 सरफराज अंसारी, मोनिर्बा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 साजिद जमाल, शिक्षा विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- प्रो0 सुषमा मल्होत्रा, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो0 सुधीर कुमार शुक्ला, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो0 सुमित्रा गुप्ता, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 सुजीत कुमार गुप्ता, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
- प्रो0 सुनीता मिश्रा, बी0 आर0ए0विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 सुनील कुमार, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया।
- प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 उमाकान्त यादव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 डी0 पी0 सिंह, भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 डी0 डी0 शर्मा, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।
- प्रो0 वशिष्ठ द्विवेदी, अनूप, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 वी0 के0 त्रिपाठी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- प्रो0 चम्पा सिंह, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 जबीर अली, आईसीसीएमआरटी, लखनऊ।
- प्रो0 जावेद अली, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- प्रो0 जे0 एन0 पाल, इलाहाबादविश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 जे0 पी0 शाही, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 जे0 पी0 सिंह, बी0एच0यू0 वाराणसी।
- प्रो0 जगदम्बा सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 अमरकान्त पाण्डेय, पं रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ।
- प्रो0 अमरजीत सिंह, एम0जी0सी0जी0वी0, चित्रकूट, सतना (म0 प्र0)।
- प्रो0 अखिलेश चौबे, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

- प्रो0 टी0 सोम, आई0आई0टी0 बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 टी0 पी0 सिंह, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 आई0 एल0 सिंह, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 आर0 एस0 खान, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
- प्रो0 आर0 एस0 सिंह, मोर्निबा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 आर0 एस0 त्रिपाठी, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो0 आर0 एन0 खरवार, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 आर0 के0 मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- प्रो0 आर0 के0 सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- प्रो0 आर0 के0 सिंह, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 आर0 के0 सिंह, के0जी0एम0यू0, लखनऊ।
- प्रो0 आर0 के0 सिंह, डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- प्रो0 आर0 के0 अग्रवाल, हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर (म0प्र0)।
- प्रो0 आर0 पी0 सिंह, इलाहाबादविश्वविद्यालय,इलाहाबाद।
- प्रो0 आर0 पी0 सिंह, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो0 आर0 पी0 सिंह, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो0 आर0 पी0 पाठक, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ कटवरिया, सराय नई दिल्ली।
- प्रो0 अशोक शुक्ला, डॉ राम मनोहर लाहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद।
- प्रो0 आफताब अहमद अफाली, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- प्रो0 ओम प्रकाश सिंह, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- प्रो0 ओम प्रकाश सिंह, जवाहार लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
- प्रो0 आलोक कुमार, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ।
- प्रो0 गोपाल नाथ, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, मेडिकल साइंसेज संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- श्री शोएब खान, सिन्डीकेट बैंक, लखनऊ।
- श्री प्रभात कुमार, इलाहाबाद।
- श्री दिनेश चंद्र प्रभु,मंड्या।
- श्री गिरीश नारायण पाण्डेय, सेवानिवृत्त आई0आर0एस0।
- श्री परिमल तिवारी, फैजाबाद।
- श्री रंजन त्रिपाठी,लखनऊ।
- श्री रमेश मिश्रा, फैजाबाद।
- श्री राजकुमार श्रीवास्तव, न्यूट्रासरजी टेक, लखनऊ।
- श्री सुरेन्द्र सिंह, वरिष्ठ पत्रकार, दिल्ली।
- श्री उमेश सिंह, फैजाबाद।
- श्री आशीष कनौज़िया, एनएक्सजी वेंचर्स, अहमदाबाद।
- श्री अतुल पाण्डेय, इलाहाबाद।
- श्री अश्वनी गुप्ता, सीएसआईटी विभाग, एमजेपी, रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली।
- श्रीमती विभा त्रिपाठी, आईईडी, लखनऊ।
- श्रीमती छाया सिंह, लखनऊ।
- श्रीमती वंदना सेरोन, भिवानी।
- श्रीमती श्वेता भटनागर, एसपीआईयू, लखनऊ।
- डॉ कृष्णा दत्ता, नई दिल्ली।
- डॉ एस पी गंगवार, सुल्तानपुर।
- डॉ एच सी रविंद्र, मंड्या।
- डॉ (श्रीमती) सत्य शिला सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान में उन्नत अध्ययन केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
- डॉ प्रवीण प्रकाश, इलाहाबाद।
- डॉ मुनीश चंद्र, विभाग आईटी, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, आज़मगढ़।
- डॉ मुनीश, वाईएमसीए, फरीदाबाद।
- डॉ मनीष कुमार आईटी, आईआईआईटी, इलाहाबाद।
- डॉ विक्रम सिंह, वाईएमसीए, फरीदाबाद।
- डॉ गिरीश, मंड्या।
- डॉ हर्ष विक्रम सिंह, सुल्तानपुर।
- डॉ रवि शंकर सिंह, सीएसई, आईआईटी बीएचयू, वाराणसी।
- डॉ राजीव पॉलस, इलाहाबाद।
- डॉ सर्वेश कुमार, पुणे।
- डॉ नलिन, वाईएमसीए, फरीदाबाद।
- डॉ अख्तर हुसैन, सीएसआईटी विभाग, एमजेपी, रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली।
- डॉ अमित कुमार,लखनऊ।
- डॉ आर के सिंह, सुल्तानपुर।
- डॉ अवधेश कुमार, सीएसई विभाग, केएनआईटी, सुल्तानपुर।
- डॉ0 एस एनपांडे, एमएनएनआईटी, इलाहाबाद।
- डॉ0 मुकेश कुमार सिंह, एमएनएनआईटी, इलाहाबाद।
- डॉ0 पी0 के0 मिश्रा, पूर्व जीएम–ओएनजीसी, इलाहाबाद।
- डॉ0 सर्वेश कुमार, आई0 आई0 एस0 टी0, तिरुवनंतपुरम, केरल।
- डॉ0 सत्य देव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।
- डॉ0 आलोक कुमार श्रीवास्तव, प्रिंसिपल साइंटिस्ट, नेशनल ब्यूरो ऑफ एग्रीकल्चर, आईसीएआर मऊ।
- डॉ0 ए0 के0 सिंह, वैज्ञानिक बी0 3/201,आदित्य रायल किसेन्ट अर्पाटमेन्ट, सेक्टर 2 बी, वृंदाबन योजना, लखनऊ।
- डॉ0 ए0 के0 सिंह, वैज्ञानिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, टेक्नोलाजी भवन, न्यू मेहरौली, दिल्ली।
- डॉ0 रामचन्द्र मौर्य, कुमायूं विश्वविद्यालय, एस0 एस0 जे0 कैम्पस, अल्मोडा,उत्तराखंड।
- डॉ0 सरह नसरीन, इग्नू रीजनल सेंटर भागलपुर, बिहार।
- डॉ0 बी0 डी0 शुक्ला, डा0 बी0 आर0 अम्बेडकर वि0 वि0,

आगरा।

- डॉ0 नलिनी श्याम कामिल, एम0 जी0 काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ0 ए0 सत्यनारायण, इलाहाबादविश्वविद्यालय,इलाहाबाद।
- डॉ0 ए0 के0 सिंह, वैज्ञानिक न्यू मेहरोली, नई दिल्ली ।
- डॉ0 एम0 वर्मा,लखनऊ।
- डॉ0 एस0 के0 चतुर्वेदी, महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना(म.प्र.)।
- डॉ0 एच0 एस0 शुक्ला, चन्द्रशेखर आजाद विश्वविद्यालय, कानपुर।
- डॉ0 शीला रानी यादव, महिला सेवा सदन महाविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- डॉ0 शैलेन्द्र तिवारी, इलाहाबादविश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ0 (श्रीमती) सुधा जैन, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
- डॉ0 बी0एन0 सिंह, 9ए–91, निकट शिव मंदिर, अशोक नगर, गया (बिहार) 823001।
- डॉ0 महेन्द्र कुमार यादव, भारतीय खनिज विद्यापीठ, धनबाद,झारखण्ड।
- डॉ0 महेन्द्र राम, आई बी/बी बैंक रोड, इलाहाबाद।
- डॉ0 मुहम्मद हफीज मिर्जा, इलाहाबादविश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ0 मुनीश चन्द्र द्विवेदी, राजकीय इंजीनियरिंग कालेज, आजमगढ़।
- डॉ0 दिवाकर सिंह राजपूत, हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म0 प्र0।
- डॉ0 नितिन सिंह, एम0 एन0 एन0 आई0 टी0 इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
- डॉ0 हरेराम तिवारी, आई0 आई0 टी0, खड़गपुर।
- डॉ0 पुष्पा चन्द्रा, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया (बिहार)।
- डॉ0 प्रहलाद मिश्रा, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (म0प्र0)।
- डॉ0 प्रभात कुमार सिंह, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय पी0जी0 कालेज, चुनार, मिर्जापुर।
- डॉ0 राकेश कुमार सिंह, बी0 एच0 यू0, वाराणसी।
- डॉ0 राकेश सिंह, बी0 एच0 यू0, वाराणसी।
- डॉ0 रामशंकर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ0 रामसुभग सिंह, बी0एन0 पी0 जी0 कालेज राठ, हमीरपुर।
- डॉ0 रामजी गुप्ता, सी0 एस0 आजाद कृषि महाविद्यालय, कानपुर।
- डॉ0 रागिनी जौहरी, लखनऊ।
- डॉ0 सरोज यादव, एन0 सी0 ई0 आर0 टी0, नई दिल्ली।
- डॉ0 सुभोजित बनर्जी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा।
- डॉ0 डी0 के0 यादव, सी0 एस0 आई0 आई0 टी0 एम0 एन0 एन0 आई0 टी0, इलाहाबाद।
- डॉ0 वी0 एन0 शर्मा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- डॉ0 चन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, तिलक महाविद्यालय, औरैया, इटावा।
- डॉ0 फुरासत अली सिद्दीकी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- डॉ0 फैजा अब्बासी,अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़।
- डॉ0 जे0 पी0 श्रीवास्तव, एग्रीकल्चर साइंस एवं टेक्नालजी नैनी, इलाहाबाद।
- डॉ0 जनार्दन यादव, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- डॉ0 अखिलेश चन्द्र सक्सेना, बी0 आर0 अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।
- डॉ0 अमित त्यागी एसो0 प्रोफेसर आई0आई0टी0, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- डॉ0 अविनाश कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- डॉ0 अनिल कुमार सिंह, बी0एच0यू0, वाराणसी।
- डॉ0 आशा शर्मा, महात्मा गॉधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट सतना।
- डॉ0 आलोक कुमार श्रीवास्तव, एन0 बी0 ए0 एन0, मऊ।

माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक जी की पुस्तक चरैवेति चरैवेति को कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव ने कार्य परिषद के सदस्यों को भेंट की

सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाते वित्त अधिकारी श्री एम0 के0 सिंह

प्रो. डॉ. राजाराम यादव

डॉ. रमा शंकर

डॉ. एन राजम

श्री अवधेश महाराज

सुश्री संगिनी शंकर

श्री सत्य प्रकाश मिश्र

श्री विशाल कृष्ण

श्री रवि सिंह एवं प्रेरणा

प्रख्यात वायलिन वादक पद्मभूषण मा. एन. राजम जी को स्मृति चिन्ह देते कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव जी

शास्त्री गायक डॉ. राम शंकर को स्मृति चिन्ह देते कुलपति जी

कथक कलाकार श्री विशाल कृष्ण को स्मृति चिन्ह देते कुलपति जी

कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव जी को स्मृति चिन्ह देते आचार्य शांतनु जी महाराज

कथक कलाकार श्री रवि सिंह एवं सुश्री प्रेरणा तिवारी को स्मृति चिन्ह देते कुलपति जी

श्री राम कथा अमृत वर्षा
3 अक्टूबर - 9 अक्टूबर 2018

॥सीताराम॥
अमृत वर्षा

सीताराम॥

THE TIMES OF INDIA

Governor moots deadline for university convocation

TIMES NEWS NETWORK

Varanasi: Governor Ram Naik on Monday said from the next academic session onward, efforts will be made to hold convocations in all the state universities latest by October 31.

Addressing the 21st convocation of VBS Purvanchal University in Jaunpur, Naik said that a meeting of vice-chancellors of the state universities will be called in Lucknow on February 12 to formalise the issue which will streamline the academic calendar.

"The current timing of convocations in various universities is an indication that their academic calendar and sessions have been streamlined," he added.

Talking about women empowerment, Naik said, "Number wise, girls are taking lead over boys in academic institutions. For example, 67% students enrolled in VBSPU are girls."

Congratulating the toppers and medalists, Naik asked others to introspect for improving their performance.

Naik also asked the students to be aware about their constitutional rights and said that those who are completing the age of 18 should ...

Governor Ram Naik at the 21st convocation of VBS Purvanchal University in Jaunpur

Naik said that a meeting of vice-chancellors of the state universities will be called in Lucknow on February 12 to formalise the issue which will streamline the academic calendar

... their enrolment in the voter list ... priority. He added said ... is going to celebrate the ... tion day of the state on ... 24 when 40 major projects ... 24,000 crores will be laun... The governor distributed gold medals among the meritorious students. Padma awardee Srikrishna Joshi also addressed the convocation while vice-chancellor Rajaram Yadav ...

वर्तमान शिक्षा पद्धति से बदल रही तस्वीर

जागरण संवाददाता, जौनपुर : राज्यपाल राम नाईक ने कहा कि वर्तमान शिक्षा पद्धति से भारत की तस्वीर बदल रही है। जौनपुर को छोटी काशी की संज्ञा देते हुए विश्वविद्यालय को केजनाबद्ध तरीके से सही समय पर नकल विहीन परीक्षा कराने की बात कही। कहा कि यह एक शुभ संकेत है कि उच्च शिक्षा में छात्रों की अपेक्षा छात्राएं अधिक हैं। प्रदेश के 28 विश्वविद्यालयों के गोल्ड मेडलिस्टों में छात्रों की अपेक्षा छात्राओं की अधिकता पर खुशी जाहिर की। विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी है कि वह सही समय पर प्रवेश, परीक्षा, परिणाम निकालकर छात्रों के हाथों में डिग्री उपलब्ध कराएं।

बोले कुलाधिपति

- पूर्वांचल विश्वविद्यालय का 21 वां दीक्षांत समारोह
- न्यायिक व सामाजिक क्षेत्र में दो को डीलिट् की मानद उपाधि

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 21 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। माता-पिता व गुरुजनों के प्रति आदर रखने की बात रखते हुए गोल्ड मेडलिस्टों से कहा कि आपके पंखों में माता-पिता, गुरुजनों ने जान भर दी है। अब आप उड़ान भरने ...

एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद भारत सरकार के पूर्व महानिदेशक पद्मभूषण प्रो. श्रीकृष्ण जोशी ने कहा ... भारत आज वाणिज्य व आर्थिक क्षेत्र में विश्व के शक्तिशाली देशों में ... कार्यक्रम में 57 मेधावियों को ... के हाथों गोल्ड मेडल दिया गया। वहीं 228 को पीएचडी उपाधि प्रदान की गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश दिलीप बाबा साहब भोसले व दिव्य सेवा मिशन हरिद्वार के अध्यक्ष आशीष गौतम को डी. लिट की मानद उपाधि दी। कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने अतिथियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डा.मनोज मिश्र ...

नये प्रोजेक्ट को पूरा करना अगला लक्ष्य: प्रो. राजाराम

जौनपुर | राजेन्द्र सिंह

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वीसी प्रो.राजाराम यादव ने एक वर्ष का कार्यकाल पूरा किया है। इस दौरान कई ... यू ने उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि 600 से अधिक छात्रों का प्लेसमेंट ...

महंत अवेद्यनाथ समेत कई भवनों की रखी आधारशिला

जौनपुर : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के संगोष्ठी भवन परिसर में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने ...

पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि ...

पढ़ाएंगे और हुनरमंद भी बनाएंगे

अमर उजाला ब्यूरो

जौनपुर।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षित भी बनाएगा और हुनरमंद भी। स्थानीय उत्पादों को बाजार की जरूरत के अनुरूप बनाएगा। इस उत्पाद की मार्केटिंग भी जाएगी। विश्वविद्यालय में फूड प्रासेसिंग और पैकेजिंग की यूनिट स्थापित करने की योजना है। इसके लिए राज्यपाल को पत्र भेजकर अनुमति मांगी गई है।

कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने बताया कि जिले के प्रमुख उत्पाद मक्का, मूली और चना से फूड प्रोडक्ट बनाया जाएगा। विश्वविद्यालय क्षेत्र के किसानों से अच्छे दाम पर क्रय करेगा। बाजार की जरूरतों के हिसाब से प्रोसेस करके खाद्य पदार्थ तैयार किया जाएगा। उसकी पैकिंग की जाएगी। ...

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने बनाई योजना

चीन से सहयोग की आस

जौनपुर। पूविवि के कुलपति प्रो. राजाराम यादव को चीन से बुलावा मिला है। वह विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में आदान-प्रदान के लिए इसी सप्ताह चीन जाने वाले हैं। वह शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार पर चीन के विशेषज्ञों से चर्चा करेंगे। उनका विज्ञान और तकनीकी शिक्षा पर व्यवस्थापन भी है। कुलपति का कहना है कि चीन यात्रा से शिक्षा के क्षेत्र में विकास में मदद मिलेगी।

की मदद से फूड प्रोसेसिंग की तकनीकों पर काम किया जाएगा। दो सौ एकड़ विश्वविद्यालय परिसर में 100 एकड़ ... की जाती है। जबकि शेष भूमि में भवन ... खेती की आधुनिक तकनीक पर भी ... जाएगा। विश्वविद्यालय में मशरूम की ... काम चल रहा है, ... किसानों को भी इससे ... गया है। परिसर में एक ... की स्थापना की भी तैयारी ... विश्वविद्यालय के इस ... से न केवल आय ... बल्कि ...

स्थापना 17 वर्ष

नये वर्ष में उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की सहूलियत पर जोर

शिक्षा

उम्मीदें 2018

पीयू में नए सत्र से शिक्षा के नये पाठ्यक्रमों की शुरुआत

होटल टूरिज्म मैनेजमेंट की होगी पढ़ाई

टैलेंट व प्लेसमेंट के लिए तैयारी

100

2416

602

पूर्वांचल का नानजिंग यूनिवर्सिटी से होगा समझौता

जौनपुर | वरिष्ठ संवाददाता

उपलब्धि

- पीयू के कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम चीन से लौटे वापस
- विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में पीयू की बनेगी वैश्विक छवि

चीन के जाने माने नानजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से पूर्वांचल विश्वविद्यालय का नानजिंग विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ शोध हो आईएम ओयू (इंटरनेशनल मेमोरेंडम आफ ...

शोधपीठ से सृजित होगा रोजगार

पूविवि परिसर में पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ की स्थापना और मूर्ति का अनावरण

अमर उजाला ब्यूरो

पूर्वांचल विश्वविद्यालय सभागार में ... पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के ... ...

समतामूलक समाज की स्थापना थी पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्राथमिकता : दिनेश शर्मा

राज्यपाल से सम्मान पाकर खिलाड़ी गदगद

राजभवन में खिलाड़ी सम्मान समारोह मिला **मेडल** 29 खिलाड़ी, 16 प्रशिक्षक व टीम मैनेजर हुए शामिल

राजभवन में सम्मानित होने वाले खिलाड़ी

पूर्वांचल विवि में 14 साल बाद शुरू होंगे नए पाठ्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

विश्वविद्यालय परिसर वर्ष 2005 में खुले थे तीन नए विभाग

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 14 साल के लंबे अंतराल के बाद नए पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू किया जा रहा है। ...

पीयू में हुई कई नये पाठ्यक्रमों की शुरुआत

2017

छात्रों के व्यक्तित्व विकासको पीयू कर रहा हर प्रयास

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ... का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. राजाराम यादव

पूविवि: मेगा कैंपस प्लेसमेंट में 55 विद्यार्थी चयनित

दो लाख से पांच लाख तक वार्षिक वेतन का मिला प्रस्ताव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दो दिवसीय मेगा कैंपस प्लेसमेंट में 55 विद्यार्थियों का चयन किया गया। कैंपस प्लेसमेंट में 486 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर रंजना प्रकाश ने बताया कि एनआईआईटी में बीटेक एवं एमसीए की 10 ...

पूविवि में आयोजित संगम 2018 फ्रेशर फंक्शन में लोगों को संबोधित करते मुख्य अतिथि कुलपति राजाराम यादव।

संगम 2018 फ्रेशर फंक्शन में प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान के बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए संगम 2018 फ्रेशर फंक्शन का आयोजन विश्वविद्यालय के मुक्तांगन में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. राजाराम यादव ने कहा कि जीवन में प्रगति करने एवं आगे बढ़ने के लिए रिश्ते बनाना जरूरी है। ...

एमडीयू रोहतक को हराकर पूविवि बना चैंपियन

जागरण संवाददाता, जौनपुर : अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयी महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताब पर मेजबान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने कब्जा कर लिया। फाइनल में पूविवि की टीम ने एमडीयू रोहतक हरियाणा को आठ विकेट से पराजित किया। टीम की खिलाड़ी शेफाली साहू को मैन आफ सीरीज के पुरस्कार से नवाजा गया।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एकलव्य स्टेडियम पर रविवार को टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एमडीयू रोहतक की टीम ने 40 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए। टीम की कैप्टन सोनिया ने 134 गेंद पर नौ चौके की मदद से नाबाद 80 रन और लसिका ने 16 गेंद पर तीन चौके की मदद ...

पूविवि में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विवि महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता ट्रॉफी के साथ पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की टीम

साहू ने आठ ओवर में ... विकेट, ... टीम 14.5 ओवर में ही दो विकेट खोकर ...

मदद से 42 रन बनाए। एमडीयू रोहतक की टीम की गेंदबाज प्रियंका व शिवानी ने एक-एक विकेट लिए।

इंदिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ...

... वि में अब बीए एलएलबी भी

केरल आपदा : पूविवि के कर्मी देंगे एक दिन का वेतन

लायंस क्लब ने ऑनलाइन भेजी 55 हजार रुपये की सहायता

कोतवाली चौराहे पर केरल में आई बाढ़ को लेकर मदद के लिए धन संग्रह करते लायंस क्लब के पदाधिकारी।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं के लिये निःशुल्क आईएएस-पीसीएस कोचिंग का उद्घाटन

... फल होने के लिए निराशा त्यागें : वीसी

धर्म व जाति की राजनीति से देश को नुकसान

... विवि में स्वामी यतींद्रानंद गिरि का किया गया स्वागत

... सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के ... राजाराम यादव ने शुक्रवार को ... अखाड़ा के महामंडलेश्वर ... नंद गिरि का स्वागत किया ... कर्मचारियों को संबोधित करते ... कहा कि धर्म व जाति की ... को नुकसान हुआ है। ... कि अवसरवादी विचारों से ... राष्ट्र के निर्माण में ...

पीयू में स्काइप पर हुआ प्लेसमेंट के लिए साक्षात्कार

पीयू में प्लेसमेंट सेल की तरफ से ऑनलाइन साक्षात्कार में हिस्सा लेता छात्र।

पीयू के छात्र रहे मुकेश स्वीडेन में करेंगे शोध

डा. मुकेश प्रताप यादव

यहां गांव–गिरांव में बांट रहे शिक्षा की छांव

- डा. अमरेंद्र सिंह - कार्यक्रम अधिकारी

डा. राजकुमार - शिक्षक

वर्तमान में यह छात्र है शामिल

- ... कुमार सिंह - शिक्षक

... र्वांचल विवि में 14 साल बाद शुरू होंगे नए पाठ्यक्रम

विद्यालय परिसर 2005 में खुले थे नए विभाग

अमर उजाला ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में 14 साल के लंबे अंतराल के बाद नए पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू किया जा रहा है। इस बीच चार कुलपति आए लेकिन किसी ने नए पाठ्यक्रम के संचालन पर ध्यान नहीं दिया। वर्ष 2005 में तीन नए पाठ्यक्रमों का संचालन शुरू हुआ था। इसके बाद वर्तमान कुलपति प्रो. राजाराम यादव के प्रयास से विवि परिसर में बेसिक साइंस की पढ़ाई शुरू होने जा रही है।

वर्ष 2005 में विवि परिसर में माइक्रोबायोलाजी, पर्यावरण विज्ञान और बायोकेमेस्ट्री की पढ़ाई शुरू हुई थी। उसके बाद से चार कुलपतियों का कार्यकाल बीत गया लेकिन विश्वविद्यालय परिसर में नए पाठ्यक्रमों के संचालन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। वर्ष 2009-10 में 15 नए पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए शासन से आदेश मिला था लेकिन उन विषयों का संचालन शुरू नहीं हो सका। तत्कालीन कुलपति ने एमएड, एमपीएड, बीपीएड, बीएड, बीपीएड, बीटेक इन केमिकल, बीटेक इन सिविल, बायोटेक, एमटेक इन बायोटेक, बैचलर इन फिजियोथेरेपी, मास्टर इन फिजियोथेरेपी, मेडिकल लैब टेक्नोलाजी, एमएससी इन मेडिकल लैब टेक्नोलाजी, कंप्यूटर, ... विषयों के संचालन के लिए घोषणा की गई थी लेकिन संचालन नहीं शुरू हुआ। वर्तमान कुलपति प्रो. राजाराम यादव की पहल पर परिसर में विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल साइंस एंड टेक्नोलाजी संस्थान में चार विषयों में पढ़ाई के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। कुलपति के पहल पर बेसिक साइंस के चार विषयों मैथ, फिजिक्स, केमेस्ट्री और ... चालू सत्र करने ... विषयों में चालू ... दाखिला प्रक्रिया ... शुरू करने की ... दाखिला के ... आवेदन मांगा ... प्रवेश प्रक्रिया ... शुरू करना है। ... के पद सृजन ... शासन को ... विभागों के लिए ... भी सृजित हो ...

याचक बन कुलपति ने विकास को मांगा ग्रांट

27 मिनट देरी से पहुंचे मुख्यमंत्री

पूर्वांचल विवि की शानदार जीत

टीम ने हासिल किए 378 रन, खिलाड़ी पूजा निषाद का ...

21वें दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक जी
के साथ कुलपति प्रो० डॉ० राजाराम यादव एवं डॉ० आशीष गौतम जी

विश्वविद्यालय परिसर में नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शोध संस्थान का शिलान्यास करते मा० कुलाधिपति जी

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में मंचासीन मा0 मुख्यमंत्री
श्री योगी आदित्यनाथ जी, कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव एवं अन्य

राष्ट्रीय युवा दिवस समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी को
अभिनन्दन पत्र देते कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव

विश्वविद्यालय परिसर में पधारे स्वदेशी क्रान्ति के अग्रदूत योग ऋषि,
परमपूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज को अभिनन्दन पत्र समर्पित करते कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव

संकाय भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति का अनावरण करते प्रदेश के
मा0 उपमुख्यमंत्री प्रो0 दिनेश शर्मा जी साथ में कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव एवं राज्य मंत्री श्री गिरीश चन्द्र यादव

वीर बहादुर सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते
माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी

अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालयीय क्रिकेट महिला प्रतियोगिता सत्र 2017–18 की
विजेता ट्राफी के साथ वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम

संगोष्ठी में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मा. प्रो. दिनेश शर्मा जी
को अभिनन्दन पत्र भेंट करते कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव जी

समसामयिक परिदृश्य में एकात्म मानववाद
विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रोतागण

स्वामी विवेकानन्द के शिकागो उद्‌बोधन के 125वीं वर्षगांठ पर विद्यार्थियों को पुस्तक वितरित करते हुए कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव के साथ सम्मानित कर्मचारी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस–2018

महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता

संगोष्ठी में दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह को स्मृति चिन्ह देते डॉ. मनोज मिश्र

अन्तर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. डॉ. राजाराम यादव एवं ब्रिटिश स्टील के डॉ. सूर्य कुमार सिंह

चीन के ख्यातिलब्ध नानजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अयोजित अकादमिक कार्यक्रम में भाग लेते कुलपति प्रो0 डॉ0 राजाराम यादव

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर स्मारिका का विमोचन करते अतिथिगण

सर्जिकल स्ट्राइक डे पर शहीदों को नमन करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव और अन्य

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्व कुलपति प्रो. कीर्ति सिंह को स्मृति चिन्ह देते डॉ. मुराद अली

अवकाश प्राप्त शिक्षक सम्मान समारोह 2017

खिलाड़ी सम्मान समारोह में मा. कुलाधिपति श्री राम नाईक जी
के साथ विश्वविद्यालय परिवार

21वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि पद्मभूषण प्रो. श्री कृष्ण जोशी जी को स्मृति चिन्ह देते
मा. कुलाधिपति श्री रामनाईक जी के साथ में कुलपति जी

इक्कीसवें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक धारकों के साथ माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक जी, मुख्य अतिथि पद्मभूषण प्रो० श्री कृष्ण जोशी जी, श्री आशीष गौतम जी एवं कुलपति प्रो० डॉ० राजा राम यादव जी

राज भवन: खिलाड़ी सम्मान समारोह – 2018

कुलगीत

वीर बहादुर सिंह विश्व-विद्यालय का हरितांचल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
पूर्व दिशा का ताज रहा है,
"भारत का शीराज" रहा है,
यह यमदग्नि-यजन की बेदी यह " कुतबन" का मादल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
दो धर्मो की मिलन-धुरी यह,
राग सलोना " जौनपुरी" यह,
संघर्षो की झंझर में झंकृत जिसके जीवन-पल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नये सृजन की सजी आरती,
उतरी वीणा लिये भारती,
नव-जागरण-थाल में अर्पित यह पावन तुलसी-दल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
कला-शिल्प-विज्ञान कलेवर,
छलकाये प्रकाश के निर्झर,
धेनुमती-तमसा-गंगा का यह पावन क्रीड़ास्थल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।
नीति हमारी सरल-तरल हो,
जिसमें जन का क्षेम-कुशल हो,
गौतम-कपिल-कणाद-पंतजलि हों आदर्श अचंचल।
जय-जय-जय " पूरब की आत्मा", जय-जय-जय "पूर्वाञ्चल"।।

मुद्रक: प्रिन्ट गैलरी-9415940550